RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 194 , गुरुवार, 27 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

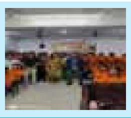
सशक्त युवा, सशक्त भारत के संदेश के साथ विद्यार्थियों को कानून व अधिकारों के प्रति... 03

युवाओं के व्यावहारिक सुझावों पर प्रशासन करेगा अविलंब कार्रवाईः जिलाधिकारी 04

बिग बॉस 20 में एंट्री नहीं लेंगी शिवांगी जोशी, वायरल वीडियो को... 07

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश का ऐलान, 12वीं पास बेटियों को देंगे लैपटॉप

- बोले-हमारी प्लानिंग लीक होकर भाजपा तक पहुंच रहीं; डिंपल बोलीं- बंदिशों में मत बंधिए

लखनऊ (एजेंसी)। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को ऐलान किया कि यूपी में सरकार में आने पर वे प्रदेश की हर 12वीं पास बेटी को लैपटॉप देंगे। हर महिला को हर साल 40 हजार रुपए देंगे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में पहले भी साइकिल दी जाती थी। दोबारा सरकार बनने पर फिर से साइकिल देने का काम करेंगे। इसके अलावा, बंद किए गए 26 हजार स्कूलों को भी फिर से खोलेंगे। लखनऊ में सपा दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश ने योगी सरकार की बुजुर्ग महिलाओं को फ्री बस यात्रा वाली 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना' पर तंज कसा। उन्होंने कहा- हमें अपने ऑफिस को फुल शील्ड रखना होगा। हमारी योजनाएं वहां तक (सरकार तक) पहुंच रही हैं। मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि हम कुछ प्लानिंग करते हैं और सूचना लीक होकर वहां तक पहुंच जाती है। इसी का परिणाम है कि बुजुर्ग महिलाओं के लिए बस फ्री यात्रा कर दी गई है। इससे पहले, मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने प्रदेश की आधी आबादी से अपील की कि आप समाज के पुराने रीति-रिवाजों के अनुसार मत चलिएगा।

तेलंगाना में बस और ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

- इनमें 5 महिलाएं,12 घायल,ट्रक में रखे लोहे के पिलर बस में घुसे

सूर्यापेट (एजेंसी)। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रिक बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 5 महिलाएं हैं। वहीं 12 लोग घायल हैं। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्रप्रदेश के एलुरु जा रही थी। हादसा सुबह करीब 5.15 बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर कोडाड मंडल में

हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रक में लोहे के भारी पिलर लदे थे। बस के ट्रक से टकराते ही पिलर को बांधकर रखने वाली चेन टूट गई। इसके बाद पिलर बस की दाईं तरफ जा घुसे। पुलिस के मुताबिक, बस के आगे बैठे लोगों की इसी वजह से मौत हुई।

हादसे की वजह तेज रफ्तार होने की आशंका जताई है। बस की टक्कर से पहले ट्रक के सड़क के डिवाइडर से टकराने की भी आशंका है। पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है।

घुसपैठिए भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा

शाह बोले-देश कोई धर्मशाला नहीं कि हर कोई बस जाए

गृहमंत्री ने कहा-यहां रहने का अधिकार सिर्फ नागरिकों को

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है। यहां रहने का अधिकार केवल नागरिकों को है। घुसपैठिए देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए खतरा हैं। हमारा लक्ष्य देश को इन घुसपैठियों से मुक्त करना है। शाह ने इंटेलीजेंस ब्यूरो की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजीज कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पिछले आठ महीनों में सभी बॉर्डर स्टेट का दौरा किया है। उन्होंने इन राज्यों के साथ सीमा सुरक्षा की रणनीति से जुड़ा दस्तावेज भी साझा किया। शाह ने आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने और उसके 360 डिग्री नेटवर्क को तोड़ने के लिए अपनी सुरक्षा रणनीति को रोज की कार्रवाई में उतारने की बात कही।

सात साल में 274 भगोड़े विदेश से लाए गए

2019 से 2026 के बीच करीब 274 भगोड़ों को विदेश से वापस लाया गया है। सभी राज्य लक्ष्य तय करें कि विदेश में बैठे भगोड़ों को देश के कानून के दायरे में लाया जाए। मोदी सरकार ने मल्टी एजेंसी सेंटर को भी अपग्रेड किया है, ताकि यह कई स्तरों पर नतीजे देने वाला प्लेटफॉर्म बन सके। एक साल में तीनों नए कानून 100 फीसदी लागू होंगे। इससे आपराधिक मामलों का निपटारा सुप्रीम कोर्ट तक तीन साल में हो सकेगा और सजा की दर 25 फीसदी बढ़ेगी। फोरम को 15 से 20 साल आगे की सुरक्षा चुनौतियों का अनुमान लगाकर उन्हें बड़े खतरे बनने से रोकने की रणनीति बनानी चाहिए। युवा अधिकारी डेटा को जोड़कर, उसका एनालिसिस करके और जानकारी के जरिए अपराध करने के तरीकों की पहचान कर काम की खुफिया जानकारी तैयार करें। इससे भविष्य की चुनौतियों को रोका जा सकेगा।

नक्सलवाद, आतंक और उग्रवाद की चुनौतियां खत्म

सरकार ने आंतरिक सुरक्षा के तीन बड़े केंद्रों- नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर का आतंकवाद और पूर्वोत्तर के उग्रवाद से जुड़ी चुनौतियां खत्म कर दी हैं। इसका श्रेय सभी राज्यों की पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबलों को जाता है। अगर पिछली सरकारों ने नशीले पदार्थों, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर की समस्याओं को गंभीर होने से पहले समझ लिया होता, तो देश को दशकों तक इनका खामियाजा नहीं भुगतना पड़ता। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूरे कैडर को खत्म करना और एक ही रात में उस पर प्रतिबंध लगाना केंद्र और राज्यों के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है।

नशामुक्त भारत के लिए 3 लेवल पॉलिसी

सभी राज्यों की पुलिस नशीले पदार्थों के खिलाफ नॉरकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 को जमीन पर लागू करें। इससे युवा पीढ़ी को बचाने में मदद मिलेगी। नशामुक्त भारत के लिए डिटेक्ट, डिसरप्ट और डिस्ट्रॉय यानी पता लगाना, रोकना और खत्म करना- तीन स्तरों की रणनीति अपनानी होगी। नशीले पदार्थों के खिलाफ सबसे सफल लड़ाई केवल भारत ही लड़ सकता है। सुरक्षा नीति अलग-अलग नहीं बनाई जा सकती। इसमें वैश्विक अस्थिरता, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन की रुकावट, बढ़ता कट्टरपंथ और साइबर युद्ध जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखना होगा।

ईरान पर अमेरिका के बैन से भारत को बड़ा झटका

- चावल, चाय और दवा निर्यात पर मंडराया गहरा संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए नया अभियान शुरू किया है। अमेरिकी प्रशासन ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ कारोबार जारी रखने वाली विदेशी कंपनियों और देशों पर भी प्रतिबंध लगाए

जा सकते हैं। उन्हें अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था से बाहर किया जा सकता है। इसका असर भारत के ईरान को होने वाले निर्यात पर भी पड़ने की आशंका है। खास तौर पर चावल, चाय और फार्मास्युटिकल उत्पादों के निर्यात पर दबाव बढ़ सकता है। अमेरिका के नए कदम के बाद ईरान ने भी किसी ऐसे देश के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है, जो अमेरिका के नेतृत्व वाले इस आर्थिक अभियान में शामिल होता है।

भारत-ईरान व्यापार में भारी गिरावट

भारत ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार पहले ही 2019 के बाद काफी कम हो चुका है। अमेरिका की ओर से 2019 में ईरानी तेल पर प्रतिबंधों में मिली छूट खत्म किए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिकी बाजार और वित्तीय प्रणाली तक अपनी पहुंच को जोखिम में डालने से बचने के लिए ईरान से कच्चे तेल का आयात लगभग बंद कर दिया था।

भागवत अमेरिका में, 29 को मेडिसन स्क्वेयर में कार्यक्रम

- न्यूयॉर्क मेयर ममदानी बोले-संघ की रैली को समर्थन नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। आरएसएस चीफ मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके 17 दिन के तीन देशों के दौरे का पहला पड़ाव है। न्यूयॉर्क के जेएफके एयरपोर्ट पर भारतीय महिलाओं ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। भागवत का यह दौरा संघ के शताब्दी वर्ष के ग्लोबल आउटरीच कार्यक्रम के तहत हो रहा है। संघ के 100 साल पूरे होने के मौके पर देश-विदेश में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अमेरिका के बाद भागवत कनाडा और ब्रिटेन जाएंगे। संघ के मुताबिक, इस दौरान वह भारतीय मूल के लोगों और स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

मेडिसन स्क्वायर में भारतीयों को संबोधित करेंगे भागवत

मेडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग फोरम कर रहा है। कार्यक्रम में भागवत का संबोधन भी होगा। यह कार्यक्रम रक्षाबंधन के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को एकता, नागरिक जिम्मेदारी और वैश्विक सद्भाव के संदेश से जोड़ा जाएगा।

भारी बारिश से यूपी और बिहार में बिगड़े हालात

डैम ओवरफ्लो, पुल डूबा, अस्पताल में भरा पानी

बिहार में 50 हजार लोग बाढ़ से घिरे,अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। चंदौली में मूसाखांड और लतीफशाह बांध ओवरफ्लो हो गए हैं, जिसके बाद उनके गेट खोल दिए गए हैं। लखीमपुर में शारदा नदी पर बने तमोलिन पुरवा बांध का एक हिस्सा कट गया। वहीं, महोबा के जिला अस्पताल में पानी भर गया और इमरजेंसी वार्ड की छत से पानी टपकने लगा। बिहार के बेगूसराय में गंगा उफान पर है। नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 50 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। मौसम विभाग ने 21 जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

नेपाल में बाढ़ से तबाही, बिहार में हाईअलर्ट

चीन के तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचाई है। भोटेकोशी नदी का पानी अचानक बढ़ने से टिमुरे और स्याब्रूबेसी इलाके के कई घरों, बाजारों और दूसरी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। इसमें कई लोगों के बहने की भी खबर है। जिससे कई गांव और जलविद्युत परियोजनाएं बह गई हैं। नेपाल में बाढ़ की वजह से बिहार में हाईअलर्ट जारी किया गया है। बगहा में 2 से 3 घंटे के अंदर गंडक नदी में इसका असर दिखाई दे सकता है। इसे लेकर प्रशासन हाईअलर्ट जारी किया है। वाल्मीकिनगर बराज की सुरक्षा बढ़ाई गई है। अधिकारियों को अलर्ट पर रहने को कहा गया है।

भारत ने तैयार किया वाहक 6 मल्टी ड्रोन मदरशिप सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की रक्षा क्षमता मजबूत करने के लिए स्वदेशी 'वाहक-6' मल्टी-ड्रोन मदरशिप प्रणाली विकसित की गई है। निजी कंपनी एंड्योरएयर ने सरकारी रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से इसे तैयार किया है। यह ड्रोन निगरानी, लक्ष्य की पहचान और दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम है। यह बिना जीपीएस के भी हमला कर सकता है।

हाथ में प्लास्टर, साथ में पत्नी हरसिमरत कौर

नांदेड साहिब हमले के 12 दिन बाद फिर मैदान में उतरे सुखबीर बादल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हाथ में प्लास्टर, साथ में पत्नी हरसिमरत कौर बादल और सामने बड़ी संख्या में समर्थक। नांदेड साहिब के गुरुद्वारे में हुए हमले के 12 दिन बाद शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल एक बार फिर सार्वजनिक तौर पर मैदान में नजर आए। मंगलवार को उन्होंने तलवंडी साबो स्थित तख्त दमदमा साहिब में मत्था टेका और पंजाब की शांति, सांप्रदायिक सद्भाव और समृद्धि के लिए अरदास की। इस दौरान उन्होंने कुछ ताकतों पर पंजाब की शांति भंग करने और सिख नेतृत्व को निशाना बनाने का आरोप लगाया। तख्त दमदमा साहिब पहुंचने के दौरान सुखबीर बादल के साथ उनकी पत्नी और बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल के अलावा पार्टी के वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भुंडर और दलजीत सिंह चीमा भी मौजूद रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में अकाली दल के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी तख्त साहिब में जुटे। सुखबीर के हाथ पर अभी भी प्लास्टर बंधा हुआ था, लेकिन इसके बावजूद वह कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और उनका अभिवादन स्वीकार किया।

रक्षा बंधन पर 'बहनों' को तोहफों की कई सौगात

- दिल्ली,यूपी, बिहार,मध्य प्रदेश से बड़े-बड़े ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश और यूपी से लेकर उत्तराखंड तक रक्षा बंधन पर राज्य सरकारों ने महिलाओं के लिए तोहफों झड़ी लगा दी है। कई राज्यों ने दो दिनों तक 'बहनों' के लिए रोडवेज बस में सफर एकदम फ्री कर दिया है। कुछ राज्यों ने तो इससे आगे बढ़कर महिलाओं के साथ एक अटेंडर भी मुफ्त रखने की सुविधा दी है। इतना ही नहीं कई राज्य नकद पैसे भी सीधी बहनों के खाते में डाल रहे हैं और ये रकम 250 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक है।

दिल्ली में लक्ष्मी योजना की शुरुआत

रेखा गुप्ता सरकार ने रक्षा बंधन पर अपनी मासिक दिल्ली लक्ष्मी योजना शुरू करने का ऐलान किया है। योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। 26 अगस्त से इस योजना के अप्रूवल लेटर बंटने शुरू हो गए हैं और 1 सितंबर से 2026 से महिलाओं के बैंक खाते में पैसे आने भी शुरू हो जाएंगे।

पंजाब में अकालियों से गठजोड़ फाइनल, होगा खेला

बीजेपी बिग ब्रदर बनेगी,70+और 40+का फॉर्मूला तैयार

- दिल्ली से भेजा मैसेज-एसएडी के खिलाफ कुछ न बोलें

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के चुनाव के लिए शिरोमणी अकाली दल (बादल) और भाजपा के बीच गठबंधन लगभग फाइनल हो चुका है। इस बार भाजपा 'बिग ब्रदर' यानी सीनियर पार्टनर की भूमिका में आने की तैयारी कर रही है। इसके लिए भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के आंकड़ों को आधार बनाया है। भाजपा 70+ सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। अकालियों को 40+ सीटें मिल सकती है। लगातार 10 साल से सत्ता से बाहर होने की वजह से मजबूरी में अकाली दल ने ग्रामीण क्षेत्रों की सभी सीटों पर भी दावेदारी छोड़ दी है। इसी रणनीति के तहत भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने पंजाब का दो दिवसीय दौरा कर लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, पटियाला और बठिंडा में नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में बैठकें कीं। उन्होंने नेताओं को साफ कर दिया है कि गठबंधन पर फैसला होने तक नेता सार्वजनिक तौर पर सिर्फ '117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी' वाली लाइन बोलते रहें। दिल्ली से ये भी मैसेज है कि अकालियों के खिलाफ बयानबाजी नहीं करनी है। वहीं दूसरे दल भी हर तरह से ऐक्टिव हैं।

सिर्फ 117 सीटों की एक लाइन याद रखें

गठबंधन को लेकर जारी चर्चाओं के बीच बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने पंजाब इकाई के तमाम छोटे-बड़े नेताओं को एक सख्त और स्पष्ट संदेश दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से नेताओं को निर्देश दिया गया है कि जब तक गठबंधन का कोई आधिकारिक फैसला सार्वजनिक नहीं होता, तब तक कोई भी नेता गठबंधन की संभावनाओं पर स्वतंत्र बयानबाजी नहीं करेगा। चाहे मीडिया का सवाल हो या सार्वजनिक मंच, सभी नेताओं को केवल एक ही आधिकारिक स्टैंड दोहराना है- भाजपा पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर रही है और अपने दम पर सरकार बनाएगी। हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी पंजाब दौरे के दौरान वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में यही बात दोहराई थी। यहां तक कि जब अकाली प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की खबरें आईं।

महाराष्ट्र के आदिवासी हॉस्टल में 30 साल की उम्र सीमा खत्म

- 13 दिन से जारी था आंदोलन, पुणे में राहुल गांधी के कार्यक्रम में मुद्दा उठा था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने आदिवासी हॉस्टल में रहने के लिए 30 साल की उम्र सीमा खत्म कर दी है। आदिवासी विकास मंत्री अशोक उईके ने मंगलवार को बताया कि सीएम देवेंद्र फडणवीस की मंजूरी के बाद 14 अगस्त का सरकारी प्रस्ताव और उससे जुड़े संशोधित नियम वापस ले लिए गए हैं। यह फैसला राहुल गांधी के पुणे में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के 3 दिन बाद आया। कार्यक्रम में एक छात्रा ने हॉस्टल के नए नियमों और दूसरी दिक्कतों का मुद्दा उठाया था।

आंदोलन के दौरान छात्रों की तबीयत भी बिगड़ी

पुणे के मांजरी स्थित आदिवासी हॉस्टल में आदिवासी छात्रों का आंदोलन 13 अगस्त से शुरू हुआ था। पहले छात्रों ने धरना शुरू किया और बाद में कुछ छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल से पानी छोड़ा, वैशाली में बाढ़ का अलर्ट, गंडक-गंगा का जलस्तर बढ़ेगा, अगले 48 घंटे महत्वपूर्ण

हाजीपुर। नेपाल में नारायणी नदी से अचानक बड़ी मात्रा में नेपाल में नारायणी नदी में अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद वैशाली जिले में गंडक और गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि की आशंका जताई गई है। जिला आपदा प्रबंधन शाखा ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। प्रशासन के अनुसार वैशाली, लालगंज, हाजीपुर, राघोपुर, बिदुपुर, देसरी, सहदेई बुजुर्ग और महनार प्रखंड के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बन सकता है। जिला प्रशासन ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि स्थिति को देखते हुए अगले 48 घंटे बेहद महत्वपूर्ण हैं। आम लोगों से नदी, घाट और अन्य जलस्रोतों के पास नहीं जाने को कहा गया है।पानी छोड़े जाने के बाद वैशाली जिले में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। जिला आपदा प्रबंधन शाखा ने गंडक और गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि की आशंका जताई है। प्रशासन के अनुसार, वैशाली, लालगंज, हाजीपुर, राघोपुर, बिदुपुर, देसरी, सहदेई बुजुर्ग और महनार प्रखंड के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जिला प्रशासन ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। स्थिति को देखते हुए अगले 48 घंटे बेहद महत्वपूर्ण बताए गए हैं। आम लोगों से नदी, घाट और अन्य जलस्रोतों के पास नहीं जाने को कहा गया है। आपात स्थिति में सहायता के लिए जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (DEOC) से 06224-260233, 06224-260234 या मोबाइल नंबर 9470082146 पर संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने बताया कि आपदा की स्थिति में आवश्यक सहायता के लिए 24 घंटे व्यवस्था सक्रिय रहेगी।

पानी में खड़े ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, वैशाली में पाया नंबर 26 से जफराबाद पेठिया तक सड़क निर्माण की मांग

हाजीपुर। वैशाली के राघोपुर में कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्सलेन पुल के पाया नंबर 26 से जफराबाद पेठिया तक ऊंची और पक्की सड़क के निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। जाफराबाद पंचायत के दर्जनों ग्रामीण बाढ़ के पानी में खड़े होकर जिलाधिकारी से सड़क निर्माण की गुहार लगाते दिखे। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के अभाव में जाफराबाद और जहांगीरपुर पंचायत के लगभग 20 से 25 हजार लोगों को सालभर आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जाफराबाद पंचायत के उपमुखिया भाई अखिलेश कुमार और सरपंच विजय साहब ने जिला प्रशासन और सरकार से पाया नंबर 26 से जफराबाद पेठिया तक पुल-पुलिया सहित सड़क के ऊंचीकरण और पक्कीकरण की मांग की। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि बाढ़ के दौरान यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, इस सड़क के निर्माण से पटना और हाजीपुर जाने वाले मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचने में आसानी होगी। छात्र-छात्राओं को स्कूल-कॉलेज जाने तथा आम लोगों को रोजी-रोजगार के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त, हर साल बाढ़ के कारण होने वाली परेशानियों से भी बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर ग्रामीण सन्नी कुमार यादव, दिनेश कुमार, देवेंद्र राय, रामप्रवेश राय, रवि कुमार सहित सैकड़ों पंचायतवासी मौजूद थे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए सड़क का ऊंचीकरण कर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की अपील की।

छात्राओं को साइबर ठगी से बचने की सीख

हाजीपुर। हाजीपुर के गर्ल हाई स्कूल में छात्राओं को ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में साइबर डीएसपी चांदनी कुमारी ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए दोस्ती कर वीडियो कॉल की रिकॉर्डिंग या स्क्रीनशॉट के माध्यम से ब्लैकमेल करने वाले साइबर अपराधियों से सावधान रहने की अपील की। साइबर डीएसपी ने छात्राओं से कहा कि वे किसी अनजान व्यक्ति से ऑनलाइन दोस्ती करने या वीडियो कॉल करने से बचें। अपनी निजी जानकारी, फोटो, वीडियो या अन्य संवेदनशील सामग्री किसी अजनबी के साथ साझा न करें। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी पहले फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों का भरोसा जीतते हैं और फिर निजी फोटो या वीडियो का इस्तेमाल कर ब्लैकमेल करते हैं। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। कार्यक्रम में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के डायरेक्टर सह सचिव सुधीर कुमार शुक्ला ने ऑनलाइन यौन शोषण की समस्या को गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि इसको लेकर देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों से अजनबियों से ऑनलाइन बातचीत से बचने की अपील की। साथ ही किसी घटना की स्थिति में चैट, फोटो और वीडियो जैसे साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और तुरंत अभिभावक या शिक्षक को जानकारी देने की सलाह दी। कार्यक्रम में बताया गया कि साइबर अपराध से जुड़ी शिकायत के लिए 1930 और बच्चों से संबंधित मामलों में 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर सूचना दी जा सकती है। बाल संरक्षण पदाधिकारी अमूल्य कुमार ने भी ऑनलाइन यौन शोषण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

दयानंद विद्यालय में दानदाता और कमेटी को लेकर विवाद गहराया, प्रभारी प्राचार्य बोले- वेवजजह विधायक को जोड़ रहे

पटना। पटना के मीठापुर स्थित दयानंद विद्यालय +2 में दानदाता, जमीन, भवन और स्कूल कमिटी के सदस्यों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मामला सोशल मीडिया से लेकर शिक्षा विभाग तक पहुंच गया है। दोनों पक्ष विद्यालय से जुड़े दस्तावेज और अधिकार को लेकर अलग-अलग दावे कर रहे हैं। दानदाता ब्रजनंदन सिंह के वंशज होने का दावा करने वाले संदीप कुमार सिंह उर्फ गोपाल सिंह का कहना है कि विद्यालय की जमीन और भवन उनके दादा ने दान में दिया था। उन्होंने इस संबंध में शिक्षा विभाग को आवेदन भी दिया है। उनका आरोप है कि वर्तमान में विद्यालय की जमीन और भवन की सही तरीके से देखरेख नहीं हो रही है, जिससे स्थिति धीरे-धीरे जर्जर होती जा रही है। वहीं, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य मनीष कुमार ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उनका कहना है कि विद्यालय की जमीन और भवन चंदे के पैसे से खरीदे और बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद चौरसिया और उनके बेटे दीपक चौरसिया को दानदाता सदस्य बनाया गया है, जबकि कमिटी के सदस्यों का मनोनयन शिक्षा विभाग ने किया है। प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि बेवजह संजीव चौरसिया MLA को इसमें जोड़ा जा रहा है। उनका इस विद्यालय से कोई लेना देना नहीं है। वह मेंबर भी नहीं हैं।

प्राचार्य ने दावा किया कि वर्ष 1928 से विद्यालय संचालित हो रहा है, लेकिन इतने वर्षों में किसी ने दानदाता या जमीन को लेकर ऐसी दावेदारी नहीं की। अब अचानक दावेदारी सामने आना विद्यालय पर कब्जे की कोशिश है। उन्होंने बताया कि संबंधित लोगों से जमीन के दस्तावेज मांगे गए, लेकिन उपलब्ध नहीं कराए गए। इस संबंध में DEO को भी पत्र भेजा गया है। विद्यालय प्रबंधन ने आर्थिक अनियमितता के आरोपों को भी खारिज किया है। प्राचार्य के अनुसार छात्रों से मिलने वाली फीस अब बैंक खाते में जमा होती है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक करीब 1377 छात्र पढ़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 1994 से पहले से वे विद्यालय में कार्यरत हैं और वरिष्ठता के आधार पर प्रभारी प्राचार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। फिलहाल दोनों पक्षों के दावों के बीच विद्यालय की जमीन, भवन और कमिटी की वैधता को लेकर विवाद बना हुआ है। मामले में शिक्षा विभाग के स्तर से स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है।

युवक को घर में घुसकर मारी गोली एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिक्रम थाना क्षेत्र के उदरचक गांव में मंगलवार देर रात अपराधियों ने घर में घुसकर 28 वर्षीय युवक अमित कुमार को चार गोलियां मार दीं। गंभीर रूप से घायल अमित को इलाज के लिए पटना के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

तीन हथियारबंद अपराधी घर में घुसेः जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब 11:30 बजे तीन हथियारबंद अपराधी अमित कुमार के घर में घुस गए। इसके बाद उन्होंने अमित पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से अमित गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। वारदात के बाद तीनों अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।

CHC से पटना किया गया रेफरः घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बिक्रम थाना पुलिस ने घायल अमित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिक्रम पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे पारस अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पहले से मिल रही थी धमकीः परिजनों ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि मसौढ़ी थाना क्षेत्र के कुछ लोगों की ओर से अमित को पहले से फोन पर धमकी दी जा रही थी। परिजनों को आशंका है कि पुराने विवाद के चलते ही इस हमले को अंजाम दिया गया है। हालांकि, घटना की वास्तविक वजह पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी।

मौके से चार खोखे बरामदः बुधवार को परिजनों ने बिक्रम थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। बिक्रम थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। घटनास्थल से चार गोलियों के खोखे बरामद किए गए हैं।

वारदात के बाद गांव में दहशतः घर में घुसकर हुई गोलीबारी की घटना के बाद उदरचक गांव और आसपास के इलाके में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी करने की मांग की है।

नेपाल की बाढ़ से गंडक नदी में अचानक पानी बढ़ा

एजेंसी, पटना

♦ बैराज के 36 गेट खोले गए, मोतिहारी-गोपालगंज समेत बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट

नेपाल के रसुवा जिले में बाढ़ से तबाही के बाद बिहार की गंडक नदी में अचानक पानी बढ़ गया। बिहार के बागहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस बाढ़ के बाद गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, फ्लैश फ्लड आने की भी आशंका है। बिहार के 8 जिलों में हाईअलर्ट जारी किया गया है। ये जिले पश्चिमी चंपारण (बगहा), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर हैं। बिहार के CM सम्राट चौधरी ने अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों को अलर्ट रहने और स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने CM सम्राट चौधरी को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए NDRF को भी तैनात किया जा रहा है।

बगहा में अलर्ट जारी किया गयाः बगहा में SP राकेश कुमार कहा है कि बगहा में गंडक के किनारे बसे गांवों में बाढ़ आने की आशंका है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपातकालीन स्थिति के लिए तैयार रहें। वहीं तरनजोत सिंह ने कहा कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है। वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर फ्लड का पानी शाम करीब 7 बजे पहुंचने की संभावना है।

कोल्ड ड्रिंक ठंडी नहीं मिली तो दुकानदार को मारा चाकू

एजेंसी, पटना

❒ बचाने आए दोस्त को भी किया घायल, दोनों पीएमसीएच रेफर आरोपी गिरफ्तार

पटना के श्रीकृष्णापुरी इलाके में कोल्ड ड्रिंक को लेकर हुए विवाद में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। इस घटना में दुकानदार नीतीश और उसका दोस्त निशांत घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए पहले गार्डिनर अस्पताल ले जाया गया, जहां से PMCH रेफर कर दिया गया है। घटना कस्तूरबा पथ नाला के पास शिव मंदिर से लगे एक दुकान पर हुई।

कोल्ड ड्रिंक ठंडी नहीं थी तो मारा चाकूः जानकारी के मुताबिक, आरोपी ग्राहक बनकर दुकान पर आया था। उसने एक कोल्ड ड्रिंक खरीदी, लेकिन वह ठंडी नहीं थी। इससे नाराज होकर आरोपी ने कोल्ड ड्रिंक वापस करने और पैसे लौटाने की मांग की। उसका दुकानदार नीतीश से विवाद हो गया। देखते ही देखते आरोपी ने चाकू निकाल लिया और नीतीश पर हमला कर दिया। नीतीश को बचाने के लिए उसका दोस्त निशांत बीच में आया, लेकिन आरोपी ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। चाकूबाजी में एक युवक के पेट और दूसरे की पीठ में चाकू लगा है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। श्रीकृष्णापुरी थानेदार जितेंद्र राणा ने बताया, 'आरोपी को पकड़ लिया गया है। घटना के दौरान स्थानीय लोगों ने आरोपी की भी पिटाई कर दी थी। उसे प्राथमिक उपचार के लिए गार्डिनर अस्पताल भेजा गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए दोनों को PMCH भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिक्रम में छह कट्ठा जमीन के लिए मर्डर, विवादित जमीन पर मकान बनाने को लेकर भिड़े दो पक्ष

एजेंसी, पटना

❒ मारपीट में एक की मौत, आरोपी फरार

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के बिक्रम थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान चंद्रभूषण यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

विवादित जमीन पर मकान निर्माण को लेकर विवादः जानकारी के अनुसार, चंद्रभूषण यादव और सतीश यादव के बीच पिछले कई महीनों से 6 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार को चंद्रभूषण इसी विवादित जमीन पर मकान निर्माण का काम शुरू कर रहे थे। इसी दौरान सतीश यादव और उसके परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में चंद्रभूषण यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस और FSL टीमः घटना की सूचना मिलते ही बिक्रम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए पटना से FSL टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और घटना के कारणों की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया है।

मुख्य आरोपी समेत सभी फरारः पालीगंज अनुमंडल डीएसपी-2 पंकज शर्मा ने बताया, 'जमालपुर गांव में 6 कट्ठा जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी, जिसमें चंद्रभूषण यादव की मौत हुई है। उन्होंने बताया, 'प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चंद्रभूषण विवादित जमीन पर मकान निर्माण शुरू कर रहे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई। घटना के बाद मुख्य आरोपी समेत अन्य लोग फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है।'

पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और FSL जांच के बाद घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की स्थिति और स्पष्ट होगी। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। मृतक की पहचान जमालपुर गांव निवासी बैकुंठ यादव का 45 वर्षीय पुत्र चंद्रभूषण यादव के रूप में हुई है जो एक पेशे से किसान थे। सतीश यादव और चंद्रभूषण यादव दोनों पटीदार है। दोनों को 6 कट्ठा जमीन हिस्सा में दिया गया था।

आज चंद्रभूषण यादव अपने हिस्से वाले जमीन में घर का निर्माण कार्य शुरू कर रहे थे। इसी को लेकर सतीश यादव और उसके परिवार के लोगों को शक हुआ कि वे लोग उनके हिस्से के भी जमीन को अपने हिस्से में लेकर घर बना रहे हैं। इसी विवाद को लेकर सतीश यादव उसका पुत्र आकाश यादव आर्यन और उसके अन्य परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और विवाद शुरू हुआ। दोनों के बीच मारपीट हुई ईट पत्थर चले। जिसमें चंद्रभूषण यादव को गंभीर सर में चोट लगी। इसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। इलाज के क्रम में मौत हो गई। इधर घटना के बाद सतीश यादव और उसका पूरा परिवार फरार है।दोनों पक्षों में एक दर्जन से अधिक लोग मौके पर पहुंचे थे जिसके बाद विवाद और बढ़ गया।

पटना जंक्शन पर लूटेरा गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस को देखकर भागने लगे, घेराबंदी कर 8 चोरों को दबोचा

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन पर यात्रियों को निशाना बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। रेल पुलिस ने इस मामले में आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के सात मोबाइल फोन और चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई मंगलवार को स्टेशन परिसर में निगरानी के दौरान की गई। बरामद मोबाइल फोन रियलमी, वीवो और रेडमी कंपनियों के हैं। चांदी के जेवरों में बाजूबंद, पायल, चूड़ी और लॉकेट शामिल हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन बरामद सामानों को किन यात्रियों से चुराया गया था।

पुलिस को देखकर भागने लगे, घेराबंदी कर दबोचाः रेल पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 4-5 के पश्चिमी छोर पर आठ युवक एक साथ बातचीत करते दिखे। पुलिस टीम को अपनी ओर आता देख सभी संदिग्ध भागने लगे, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी के मोबाइल फोन और चांदी के जेवर मिले।

चोर गरोह के 8 लोगों को किया गिरफ्तारः गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटना निवासी सुमित कुमार, मो. ताजू, सिट्टू कुमार, मो. इरशाद आलम और सुनील कुमार के रूप में हुई है। इनके अतिरिक्त, नालंदा के राहुल कुमार, सीतामढ़ी के रूपेश कुमार और अरवल के रोहित कुमार भी पकड़े गए हैं। इस कार्रवाई के बाद स्टेशन परिसर में सक्रिय चोर गिरोहों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस सभी आरोपियों के आपसी संबंध और गिरोह में उनकी भूमिका की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि ये लोग कब से स्टेशन और आसपास के इलाकों में सक्रिय थे।

फोन और जेवर के मालिकों का पता लगा रही पुलिसः पुलिस अब मोबाइल फोन और जेवर के मालिकों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए बरामद मोबाइल के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ और तकनीकी जांच के जरिए चोरी की अन्य घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है।

भीड़ में यात्रियों को बनाते थे निशानाः पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि भीड़भाड़ का फायदा उठाकर यात्रियों के मोबाइल और जेवर चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक, रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही अधिक होने के कारण आरोपी भीड़ में घुसकर वारदात को अंजाम देते थे। इसके बाद सामान लेकर चंपत हो जाते थे। रेल पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह के साथ और कितने लोग जुड़े हैं। साथ ही पटना जंक्शन के अलावा दूसरे रेलवे स्टेशनों पर भी इनके सक्रिय होने की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से सभी या कुछ आरोपियों के खिलाफ रेल थाना समेत विभिन्न थानों में पहले से कई मामले दर्ज हैं।

'सरकार सुन रही समस्याएं समय पर होगा समाधान'

एजेंसी, पटना

बिहार में छात्रों के आंदोलन को लेकर सियासत तेज हो गई है। जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने छात्र आंदोलन को लेकर कहा कि छात्रों की अपनी समस्याएं हैं और सरकार उनकी समस्याओं को सुन रही है। उन्होंने भरोसा दिया कि छात्रों की सभी समस्याओं का समय पर समाधान किया जाएगा। संजय झा ने कहा कि कुछ लोग आंदोलन को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और समय आने पर सभी मुद्दों पर फैसला किया जाएगा। फरक्का संधि को लेकर संजय झा ने राष्ट्रीय जनता दल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, 'आज आरजेडी के लोग इस मुद्दे पर प्रवचन दे रहे हैं। उन्हें बताना चाहिए कि 1996 में जब यह संधि हुई थी, तब बिहार में किसकी सरकार थी और मुख्यमंत्री कौन थे? उन्होंने स्पष्ट कहा कि जदयू फरक्का संधि के खिलाफ है। केंद्र सरकार से भी इस संधि को आगे नहीं बढ़ाने के लिए कहा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि फरक्का संधि से बिहार का अहित हुआ है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण को लेकर लिए जा रहे तीन बड़े फैसलों पर भी संजय झा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए नीतीश कुमार ने जो काम किया है, उसका इतिहास लिखा जाएगा।

नेपाल में आई बाढ़ के बाद बिहार में लोग सतर्क रहें, घबराएं नहीं : विजय चौधरी

एजेंसी, पटना

नेपाल में आई बाढ़ के बाद बिहार में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि अगले पांच-छह घंटे से लेकर पूरी रात बिहार में अलर्ट रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समस्या पहले की तुलना में बड़ी है, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और सरकार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

विजय कुमार चौधरी ने बताया कि गंडक नदी पर दबाव बढ़ने की आशंका है। वाल्मीकिनगर बराज तक नेपाल से आने वाले पानी को पहुंचने में करीब दो से तीन घंटे लग सकते हैं। संभावित स्थिति को देखते हुए सरकार ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए अतिरिक्त टीमों की तैनाती की है। राहत कार्य में इस्तेमाल होने वाली आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि नेपाल सरकार की ओर से स्थिति का आकलन कर भारत को जानकारी दी गई है। नेपाल के तिब्बत प्रभाग में ग्लेशियर फटने के कारण पानी तेजी से बढ़ रहा है। यह पानी त्रिशूली नदी के रास्ते देवघाट और उसके बाद गंडक नदी में पहुंचेगा। हालांकि राहत की बात यह है कि फिलहाल गंडक नदी का जलस्तर अपेक्षाकृत कम है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा आकलन के अनुसार करीब ढाई लाख क्यूसेक पानी गंडक बराज से गुजरने की संभावना है। पानी तेजी से बिहार की ओर आने की आशंका को देखते हुए जल संसाधन विभाग लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है।

चिराग ने राजू तिवारी को प्रदेश अध्यक्ष से हटाया, सुरेंद्र विवेक को बिहार की कमान

एजेंसी, पटना

चिराग पासवान ने अपनी पार्टी लोजपा (रामविलास) के बिहार और झारखंड सहित कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए हैं। राजू तिवारी से अब बिहार की कमान ले ली गई है। एलजेपी (आर) ने सुरेंद्र विवेक को अब बिहार प्रदेश का नया अध्यक्ष बनाया है। राजू तिवार को अब राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। वे पिछले 5 साल से इस पद पर थे। सुरेंद्र विवेक बेगूसराय के साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र से 2 बार पार्टी के कैंडिडेट रह चुके हैं। ये भूमिहार समाज से आते हैं। राजू तिवारी को राष्ट्रीय कार्यसमिति में महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। देश के 8 राज्यों में आने वाले समय में चुनाव से पहले चिराग पासवान ने ये बदलाव किया है। सुरेंद्र विवेक इससे पहले प्रदेश प्रवक्ता और प्रदेश कोषाध्यक्ष की भूमिका निभा चुके हैं।

बेगूसराय जिले में इनकी पहचान एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर रही है। कुछ साल पहले सुरेंद्र विवेक को पार्टी ने बिहार चुनाव अभियान का प्रमुख भी बनाया था। नई कार्यकारिणी में युवाओं, महिलाओं और जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को खास प्रतिनिधित्व दिया गया है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि संगठन में उन कार्यकर्ताओं पर भरोसा जताया गया है, जिन्होंने लगातार जमीन पर काम कर पार्टी को मजबूत करने में भूमिका निभाई है।

चिराग पासवान राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय संसदीय बोर्ड के चेयरमैन भीः चिराग पासवान को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय संसदीय बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया है। उनके साथ ललित कुमार गौतम, हरमीत सिंह और एडवोकेट सरदार तारा सिंह को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की जिम्मेदारी मनीषंकर पांडेय, मोहम्मद शमीम एम. हवा, वीरेंद्र प्रधान, कुंवर आसिम खान, डॉ. सत्यनंद शर्मा और डॉ. कामला कुमारी को दी गई है। वहीं, अब्दुल खालिक को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। राजेश वर्मा, सांसद को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर मिथिलेश कुमार सिंह, राजू तिवारी, वीणा देवी, अजय कुमार, पंकज अरोड़ा, डॉ. केपी चौधरी, वीरेंद्र बिधूड़ी, डॉ. सुखातो ए. सेमा, धीरेंद्र कुमार सिन्हा 'मुन्ना', अशरफ अंसारी, अरविंद कुमार सिंह और सी. विद्याधरन को जिम्मेदारी मिली है।

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न कांडों में संलिप्त 20 अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। जन विश्वास संकल्प के तहत अपराध नियंत्रण और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 20 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में हत्या के प्रयास, पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न मामलों के प्राथमिकी अभियुक्त और वारंटी शामिल हैं। लखौरा थाना क्षेत्र में कांड संख्या 212/26, हत्या के प्रयास के मामले में चार प्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा कांड संख्या 721/23, पॉक्सो मामले में एक फरार अभियुक्त तथा टीआर नंबर 3534/26 के एक वारंटी को गिरफ्तार किया गया। यहां कुल छह अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई। भोपतपुर थाना क्षेत्र में टीआर नंबर 45/25 के एक वारंटी तथा टीआर नंबर 174/25 के दो वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं संग्रामपुर थाना क्षेत्र में कांड संख्या 56/19, हत्या के प्रयास के मामले में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा टीआर नंबर 1554/25 के चार वारंटी तथा टीआर नंबर 1149/22 के एक वारंटी को गिरफ्तार किया गया। संग्रामपुर में कुल 10 अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई। डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में कांड संख्या 56/19, हत्या के प्रयास के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फरार अभियुक्तों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शराब के खिलाफ कार्रवाई, नेपाली और अंग्रेजी शराब के साथ चार गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले के जितना और केसरिया थाना क्षेत्रों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नेपाली और अंग्रेजी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया गया। जितना थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर रेंगनिया गांव में पुलिस ने मोटरसाइकिल से ले जाई जा रही 126.3 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की। इस मामले में शेरू कुमार, पिता बीरबल राय, निवासी रेंगनिया, थाना जितना, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। वहीं, जोलगांवा सैनिक रोड से पुलिस ने 27 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब बरामद करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के दौरान दो विधि-विरुद्ध बालकों को भी निरुद्ध किया गया। इधर, केसरिया थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर भगवतिया गांव में छापेमारी की गई। पुलिस ने मौके से 16.20 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए विवेक कुमार, पिता हरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मंगनी सिंह, निवासी भगवतिया, थाना केसरिया, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार सभी मामलों में संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शराब के अवैध कारोबार और तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन का छठा राज्य सम्मेलन 12-13 सितंबर को मोतिहारी में

बीएनएम@ मोतिहारी। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन के बिहार राज्य काउंसिल का छठा राज्य सम्मेलन 12 एवं 13 सितंबर 2026 को उमाकांत शुक्ल नगर, वाईएस वाटिका, मोतिहारी में आयोजित होगा। इसकी जानकारी जिला विधिज्ञ संघ, मोतिहारी के कोषाध्यक्ष सह सम्मेलन के स्वागत अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार मिश्र ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन एवं देश के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता विकास रंजन भट्टाचार्य, महासचिव पी.वी. सुरेंद्र नाथ तथा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल चौहान पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होंगे। सम्मेलन में बिहार के विभिन्न जिलों से 186 निर्वाचित प्रतिनिधि और 25 पर्यवेक्षक भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान पिछले तीन वर्षों के संगठनात्मक, राजनीतिक एवं अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही आगामी सत्र के लिए नए राज्य काउंसिल का चुनाव भी कराया जाएगा। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर संगठन के जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाकांत शुक्ल की अध्यक्षता में तैयारी समिति की बैठक हुई। बैठक में स्वागत मंत्री अरुण कुमार सिंह एवं कोषाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने तैयारियों से संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। सम्मेलन के आयोजन को सफल बनाने में जावेद अख्तर, मनोज कुमार तिवारी, उमेश कुमार सिंह, भीष्म कुमार, सिकंदर यादव, कमलेश्वर ठाकुर, केशव नाथ तिवारी, आशुतोष कुमार मिश्र, राकेश कुमार श्रीवास्तव, राम कृष्ण सिंह, ब्रजेश कुमार, अवनीश कुमार, अजित कुमार, नूतन कुमारी सहित अन्य अधिवक्ता सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

सशक्त युवा, सशक्त भारत के संदेश के साथ विद्यार्थियों को कानून व अधिकारों के प्रति किया जागरूक

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के तत्वावधान में बुधवार को अभ्यास आईआईटी कोचिंग संस्थान, मोतिहारी में विद्यार्थियों के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के करीब 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को नालसा की 'बाल हितैषी विधिक सेवाएं योजना, 2024' एवं 'जागृति योजना, 2025' के उद्देश्यों और प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानूनी जागरूकता केवल न्यायालय या अधिवक्ताओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए यह एक आवश्यक जीवन कौशल है। विद्यार्थियों से अपने अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों को समझने और संविधान के मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। सचिव ने कहा कि जागरूक युवा ही सुरक्षित समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित अन्य प्रेरणादायी व्यक्तित्वों के जीवन प्रसंगों के माध्यम से विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों में निरंतर प्रयास करने, असफलताओं से सीखने और अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बाल अधिकार, बच्चों की सुरक्षा, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल शोषण एवं तस्करी, महिलाओं की सुरक्षा, साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा, नशे से बचाव, निःशुल्क विधिक सहायता और न्याय तक समान पहुंच जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। पैनल अधिवक्ता आयुषी अमृत ने भी विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों और जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या शोषण की स्थिति में उचित विधिक सहायता लेने के संबंध में जानकारी दी। सचिव नितिन त्रिपाठी ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता और कानूनी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के साथ ही लगातार विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आमजन अपने अधिकारों और उपलब्ध विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक हो सकें। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों से अपने अधिकारों को जानने, कर्तव्यों का पालन करने, कानून का सम्मान करने और समाज में विधिक जागरूकता फैलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में करीब 100 विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा— "न्याय से जागरूकता, जागरूकता से सशक्तिकरण और सशक्तिकरण से राष्ट्र निर्माण।"

गंडक नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका, चार अंचलों में अलर्ट

बीएनएम@ मोतिहारी

नेपाल से होकर बहने वाली नदियों के जलस्तर में अचानक वृद्धि के कारण वाल्मीकिनगर बैराज पर पानी का दबाव बढ़ने की संभावना जताई गई है। बैराज से अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने पर गंडक नदी के जलस्तर में भी तेजी से वृद्धि हो सकती है। संभावित बाढ़ के मद्देनजर पूर्वी चंपारण के अरेराज, संग्रामपुर, केसरिया और पहाड़पुर अंचलों में प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने आपदा प्रबंधन शाखा, बाढ़ प्रमंडल मोतिहारी के पदाधिकारियों एवं स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक कर गंडक नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि की स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने गंडक तटबंध सहित निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को जागरूक एवं सतर्क करने का निर्देश दिया है। संबंधित अंचलाधिकारियों और थाना प्रभारियों को भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को लगातार पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, सिविल सर्जन एवं जिला पशुपालन पदाधिकारी को आवश्यक दवाओं के साथ मेडिकल टीमों को तैयार रखने तथा चिन्हित स्थानों पर प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया गया है। जिला पंचायत राज पदाधिकारी को संबंधित प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों के साथ बैठक कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से ग्रामीण स्तर पर बैठकें आयोजित करने को कहा गया है, ताकि संभावित बाढ़ को लेकर लोगों को समय रहते जागरूक किया जा सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को बाढ़ के दौरान आवश्यक राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की मुकम्मल तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

खेलो इंडिया संवाद को लेकर एल.एन.डी कॉलेज में तैयारी तेज, आज पीएम मोदी खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

बीएनएम@ मोतिहारी

माई भारत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में नगर के लक्ष्मी नारायण दुबे कॉलेज परिसर में आज 27 अगस्त को आयोजित होने वाले 'खेलो इंडिया संवाद' को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'खेल की बात पीएम मोदी के साथ' संवाद के माध्यम से देशभर के युवा खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों से सीधे जुड़ेंगे। इस विशेष कार्यक्रम के लिए पूर्वी चंपारण जिले के प्रमुख शिक्षण संस्थान एलएनडी कॉलेज, मोतिहारी का चयन किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री के संवाद को लेकर कॉलेज प्रशासन, एनएसएस इकाई और विद्यार्थियों में खासा उत्साह है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने कहा कि पूर्वी चंपारण के खिलाड़ियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। प्रधानमंत्री का यह संवाद ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के उभरते खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर परिसर में तकनीकी समेत अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री के संबोधन का निर्बाध प्रसारण उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। कॉलेज प्रशासन और एनएसएस इकाई ने जिले के विद्यार्थियों, युवा खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर 'खेलो इंडिया संवाद' को सफल बनाने की अपील की है।

अकीदत के साथ मना जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी, निकला भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी

बीएनएम@ मोतिहारी

हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के यौमे विलादत के मुबारक अवसर पर बुधवार को जिला के मेहसी प्रखंड क्षेत्र में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी अकीदत और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक उत्सवी माहौल रहा। जगह-जगह आकर्षक सजावट की गई, जबकि जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल अकीदतमंदों ने नात और नारों के जरिए अपनी मोहब्बत व अकीदत का इजहार किया। "हुजूर की आमद मरहबा, मुस्तफा की आमद मरहबा, ताजदार की आमद मरहबा" और "रबीउल अव्वल आया, खुश नजर सारा जहां आया" जैसे नारों से मेहसी की गलियां गूंजती रहीं। बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग जुलूस में शामिल हुए। अरबी महीने 12 रबीउल अव्वल के मौके पर दाता अब्दुल हलीम शाह की मजार के समीप समेत करीब एक दर्जन गांवों से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस मुगलपुरा, पुरानी मेहसी, मोतीझील, मिर्जापुर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और घरयारी चक होते हुए समदपुरा, चकलालु, बड़ा कुरैशी मोहल्ला और काजीचक पहुंचा। इसके बाद जुलूस पुनः दाता अब्दुल हलीम शाह की मजार पर पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस के मार्ग में कई स्थानों पर लोगों ने अकीदतमंदों का स्वागत किया। पूरे रास्ते लोगों में खासा उत्साह देखा गया। आयोजन के दौरान आपसी भाईचारे, मोहब्बत और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया गया। जुलूस-ए-मोहम्मदी का आयोजन जामिया रिज़विया बड़ा कुरैशी मोहल्ला, मदरसा तज़विदुल कुरान समदपुरा, मदरसा तेगिया दारुल इस्लाम बिशम्भरपुर, नौजवान कमेटी मिर्जापुर और मदरसा हलीमिया जामिया दरगाह शरीफ समेत विभिन्न संस्थाओं और ग्रामीणों के सहयोग से किया गया। दामोदरपुर, मुगलपुरा, काजीचक, परतापुर, हरपुर नाग, मैन मेहसी, नया टोला समदपुरा और मोतीझील समेत दर्जनों गांवों के लोग भी आयोजन में शामिल रहे। कार्यक्रम में मौलाना तस्लीम रज़ा, अनवर मकरानी, मोहम्मद निसार नूरी, हाजी महबूब अली, नईम-उल-हक, हाफिज इरशाद, मौलाना कौसर, मौलाना सादिक रिज़वी, अरकम चम्पारनी, मुफ्ती कुतबुद्दीन, हाफिज अबुजर, सजाद अंसारी, रिज़वान अहमद, अल्फाज़ अली, मोहम्मद चंचल, शाहिद रज़ा, मेराज अहमद, मकसूद आलम, लाल बाबू, अर रहमान, सद्दाम अंसारी, मोहम्मद मुराद, शफी अहमद खान, अफज़ल अंसारी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हसनैन, सैयद शमीम अहमद रिज़वी, अबुल कलाम आज़ाद, ज़ाहिद रज़ा, ज़फर इकबाल रज़ा और कासिम रज़ा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से अपनी धार्मिक आस्था का इजहार किया। जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के आयोजन ने मेहसी में धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में मेहसी में डीवाईएफआई का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री का पुतला फूंका

बीएनएम@ मोतिहारी

राजधानी पटना में 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में कथित अनियमितताओं, नकारात्मक अंकन समाप्त करने, बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) की परीक्षाओं को नियमित कराने, संविदा प्रथा खत्म करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में मंगलवार को मेहसी में भारत की जनवादी नौजवान सभा (डीवाईएफआई) के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और युवाओं ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुतला फूंका तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने छात्र-युवाओं की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए डीवाईएफआई राज्य कमिटी के सदस्य इम्तियाज अहमद ने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने के अधिकार का दमन है। उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, रोजगार की गारंटी, संविदा प्रथा की समाप्ति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा युवाओं की प्रमुख मांगें हैं। सरकार को छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनसे संवाद करना चाहिए। सीपीआईएम राज्य कमिटी सदस्य एवं पिपरा विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी राजमंगल प्रसाद ने प्रदर्शन को समर्थन देते हुए कहा कि छात्र अपने भविष्य और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीपीएससी और बीएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार को दमनात्मक कार्रवाई के बजाय छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। प्रदर्शन में डीवाईएफआई जिला अध्यक्ष विक्की कुमार, अमन यादव, राजेश राम, जहीर आलम, शफीकुर रहमान, चिरागुद्दीन, मुकेश राम तथा डीवाईएफआई के पूर्व राज्य अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों की मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई और आंदोलनकारियों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई जारी रही, तो संगठन आंदोलन को और व्यापक करेगा।

गंडक के बढ़ते जलस्तर से प्रशासन अलर्ट, बाल्मीकि नगर बैराज से 1.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया

बीएनएम@ मोतिहारी

नेपाल में लगातार बढ़ रहे नदियों के जलस्तर के कारण बाल्मीकि नगर बैराज पर पानी का दबाव बढ़ गया है। बुधवार की शाम 4 बजे बाल्मीकि नगर बैराज से 1.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके चलते गंडक नदी के जलस्तर में भी वृद्धि की संभावना जताई गई है। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने अरेराज, पहाड़पुर, संग्रामपुर और केसरिया अंचलों में अलर्ट जारी कर दिया है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने नगर के समाहरणालय स्थित एनआईसी में मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन शाखा, बाढ़ प्रमंडल के अभियंताओं, स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस को अलर्ट मोड में रखा गया है। सभी पदाधिकारियों की छुट्टियां रद्द करते हुए उन्हें मुख्यालय एवं क्षेत्र में बने रहने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि से निचले इलाकों में पानी फैलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, वर्तमान स्थिति में लोगों को पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। गंडक तटबंध एवं निचले इलाकों में माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। लोगों से निचले इलाकों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने तथा मवेशियों को खुले में नहीं छोड़ने की अपील की गई है। चारों अंचलों के अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। चिन्हित शरण स्थलों पर सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रखने को कहा गया है। एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमों को लगातार पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया है। सिविल सर्जन एवं जिला पशुपालन पदाधिकारी को आवश्यक दवाओं के साथ मेडिकल टीमों की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं। जिला पंचायत राज पदाधिकारी को संबंधित प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों के साथ बैठक कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को बाढ़ से निपटने के लिए सभी तैयारियां मुकम्मल रखने के साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी परिस्थिति में लोगों में भय एवं अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी ने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए जिले में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। इनमें 4 सरकारी नाव, 165 निजी नाव, 7 मोटर बोट, 25,281 पॉलिथीन शीट, 436 लाइफ जैकेट, 1 इनफ्लैटेबल लाइटिंग सिस्टम और 4 जीपीएस सेट शामिल हैं। इसके अलावा जिले में 244 शरण स्थल एवं सामुदायिक रसोई केंद्र चिन्हित किए गए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की एक-एक टीम जिले में मौजूद है। एनडीआरएफ की टीम को अरेराज एवं संग्रामपुर क्षेत्र के लिए तथा एसडीआरएफ की टीम को केसरिया के लिए तैनात किया गया है। मीडिया के माध्यम से जिलाधिकारी श्री यादव ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क एवं जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है। प्रेस वार्ता के बाद जिलाधिकारी ने जिला आपातकालीन संचालन केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र 24 घंटे 06252-242418 पर क्रियाशील है। आपदा से संबंधित किसी भी सूचना के लिए इस नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार पुलिस में शामिल हुए 4,700 स्कूटर और मोटरसाइकिल, मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

बीएनएम@ पटना। बिहार में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महिला पुलिसकर्मियों की 'अभया ब्रिगेड' के लिए 4,700 स्कूटर और मोटरसाइकिल उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को इन वाहनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र कुमार यादव सहित कई मंत्री मौजूद रहे। कार्यक्रम में बिहार के मुख्य सचिव दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार समेत गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय के कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बताया गया कि अभया ब्रिगेड को उपलब्ध कराए गए इन वाहनों से महिला पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में गश्ती करने में सहूलियत होगी। इससे खासकर महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में पुलिस की त्वरित पहुंच और कार्रवाई को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। सरकार का उद्देश्य आधुनिक संसाधनों से पुलिस बल को मजबूत करने के साथ ही कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाना और आम लोगों को अधिक प्रभावी एवं त्वरित सुरक्षा उपलब्ध कराना है।

लंबित कांडों की समीक्षा, त्वरित निष्पादन के लिए अनुसंधानकर्ताओं को दिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लंबित कांडों की समीक्षा की गई। इस दौरान अनुसंधान में तेजी लाने और लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधानकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जानकारी के अनुसार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरेराज, अंचल पुलिस निरीक्षक मुफ्फसिल, केसरिया एवं मधुबन तथा पर्यवेक्षी पदाधिकारी पहाड़पुर एवं कल्याणपुर द्वारा संबंधित थाना क्षेत्रों में लंबित कांडों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने लंबित मामलों की वर्तमान स्थिति, अनुसंधान की प्रगति और अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली। अनुसंधानकर्ताओं से मामलों में उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयान तथा अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने अनुसंधानकर्ताओं को लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन करने, साक्ष्यों का समय पर संकलन करने तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही गंभीर मामलों में विशेष सतर्कता बरतते हुए अनुसंधान को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने को कहा गया। समीक्षा के दौरान हरसिद्धि, मुफ्फसिल, राजेपुर, पहाड़पुर, केसरिया एवं कल्याणपुर थाना क्षेत्रों में लंबित कांडों की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

हरपुर में 188 किलो गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद, ट्रक चालक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हरपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 188 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक को गिरफ्तार करने के साथ ट्रक और मोबाइल फोन भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त को गुप्त सूचना के आधार पर हरपुर थाना पुलिस द्वारा बरवा पेट्रोल पंप के समीप वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान 10 चक्का ट्रक संख्या बीआर-30जीबी-2280 को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक के इंजन बॉगी में गुप्त रूप से बनाए गए बॉक्स का पता चला। बॉक्स के अंदर 12 पेटियों में छिपाकर रखा गया कुल 188 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने ट्रक चालक शौकत अली, पिता मोहम्मद खलील, निवासी हरिवंचदा, थाना कांटी, जिला मुजफ्फरपुर को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान ट्रक और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चालक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। छापेमारी दल में प्रखंड कृषि पदाधिकारी विनय कुमार, हरपुर थानाध्यक्ष प्रियंका कुमारी, पुलिस पदाधिकारी उत्तम कुमार, अमरजीत कुमार, आनंद मोहन सिंह, सुनील कुमार तथा चौकीदार फैयाज आलम शामिल थे। पुलिस के अनुसार, जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

शराब तस्करों का उत्पाद विभाग की टीम पर हमला

गोपालगंज और सीवान पुलिस ने संभाला मोर्चा

बीएनएम@ पटना/सीवान। बिहार में शराबबंदी के बीच सीवान जिले के जामो बाजार थाना क्षेत्र के बलडीहा बथानी टोला गांव में शराब तस्करों का पीछा कर रही उत्पाद विभाग की टीम पर हमला कर दिया गया। इस दौरान उपद्रवियों ने उत्पाद विभाग की सरकारी गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई।गोपालगंज जिले के मोहम्मदपुर उत्पाद विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि तस्कर अवैध शराब लेकर सीवान की ओर जा रहे हैं। इसी सूचना पर टीम तस्करों का पीछा करते हुए सीवान सीमा से सटे उक्त गांव तक पहुँची थी, जहाँ असामाजिक तत्वों ने टीम को घेरकर हंगामा किया और वाहन पर हमला बोल दिया।घटना की सूचना मिलते ही सीवान और गोपालगंज दोनों जिलों की पुलिस मौके पर पहुँची और स्थिति को नियंत्रित किया। सीमावर्ती इलाका होने के कारण पुलिस ने सक्रियता बढ़ा दी है और आरोपियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की बात कही जा रही है।

पढ़ने वाले युवाओं पर पुलिस बल का प्रयोग उचित नहीं: अनंत सिंह

बीएनएम@ पटना। राजधानी पटना में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिसिया कार्रवाई पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है और साफ कहा है कि पढ़ने वाले युवाओं पर पुलिस बल का इस्तेमाल किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।अनंत सिंह का कहना है कि छात्रों की मांगों को मानना या न मानना सरकार का विषय हो सकता है, लेकिन आंदोलन कर रहे विद्यार्थियों को पीटना पूरी तरह गलत है। पटना में परीक्षा और भर्ती से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार हो रहे प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया था, जिस पर विपक्ष भी सरकार को घेर रहा है।सत्तारूढ़ दल के विधायक होकर अनंत सिंह का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि इस कार्रवाई को लेकर सत्ता पक्ष के भीतर भी मतभेद उभरकर सामने आ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से छात्रों के मामले में संयम बरतने की अपील की है।

करंडे में खेत पटवन को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

एक युवक गंभीर रूप से घायल, पावापुरी रेफर

बीएनएम@ शेखपुरा. करंडे थाना क्षेत्र में बुधवार को खेत पटवन को लेकर उपजा विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और हसुआ से हमला हो गया। इस हिंसक झड़प में एक पक्ष के साजन केवट गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जबकि दूसरे पक्ष से अक्षय कुमार के भी घायल होने की सूचना है।घायल साजन की पत्नी का आरोप है कि पटवन के दौरान महेंद्र चौधरी, अक्षय कुमार और सोनरवा देवी ने हसुआ से हमला कर उनके पति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों द्वारा सदर अस्पताल ले जाने पर चिकित्सक डॉ. रजनीकांत कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद साजन की स्थिति नाजुक देखते हुए उन्हें पावापुरी रेफर कर दिया।करंडे थानाध्यक्ष ममता गिरि ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिल चुकी है और आवेदन प्राप्त होने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

'खेलो इंडिया संवाद' का आयोजन कल

बीएनएम@ शेखपुरा. युवाओं को खेलों से जोड़ने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले के दो महाविद्यालयों—रामाधीन कॉलेज, शेखपुरा और एस.एस. कॉलेज, मेहूस में 27 अगस्त 2026 को 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मेरा युवा भारत (MY Bharat) और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में होने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में खेल जागरूकता बढ़ाना और स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर मंच देना है।जिला युवा अधिकारी विवेक वैष्णवी ने बताया कि इस आयोजन में युवाओं को स्थानीय खिलाड़ियों और जनप्रतिनिधियों से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा।

गया में 'कॉफी विद डीएम' का अनूठा सत्रः मेधावी छात्रों के इन सुझावों से बदलेगी शहर की सूरत

युवाओं के व्यावहारिक सुझावों पर प्रशासन करेगा अविलंब कार्रवाई : जिलाधिकारी

विद्यार्थियों ने शिक्षा, यातायात और रोजगार से जुड़े साझा किए अनूठे सुझाव

» युवाओं की सोच और प्रशासन का एक्शन

बीएनएम@ गयाजी

समाहरणालय में आयोजित "कॉफी विद डीएम" कार्यक्रम के तीसरे सत्र के दौरान जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने गया के मेधावी विद्यार्थियों के साथ सीधा और सार्थक संवाद किया। इस अनूठी पहल में युवाओं ने शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, तकनीक और बुनियादी शहरी सुविधाओं से जुड़े कई अत्यंत रचनात्मक और व्यावहारिक सुझाव साझा किए, जिन्हें प्रशासन ने गंभीरता से लिया है।संवाद के दौरान गया सदर की नेशनल टॉपर माही कुमारी ने शहर में बढ़ते अतिक्रमण, यातायात जाम की समस्या के समाधान के साथ-साथ युवाओं के लिए स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, चंदौती की अदिति कुमारी ने आगामी त्योहारों के दौरान सड़कों पर लगने वाले जाम को नियंत्रित करने, जबरन चंदा वसूली पर सख्त रोक लगाने तथा सेंट्रल यूनिवर्सिटी के बाहरी परिसरों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग उठाई।सत्र में शामिल अन्य युवाओं में अभिषेक कुमार ने पितृपक्ष मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने का सुझाव दिया, जिससे होटल, स्थानीय परिवहन, मंदिरों की जानकारी और आपातकालीन सेवाएं एक ही स्थान पर मिल सकें। मानपुर के राजवीर कुमार ने यातायात को सुगम बनाने के लिए एआई आधारित कैमरों के उपयोग, पंचायत स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मशरूम और मधुमक्खी पालन जैसे स्वरोजगार के माध्यमों से युवाओं को जोड़ने की बात रखी।विद्यार्थियों के इन सभी सकारात्मक सुझावों की सराहना करते हुए डीएम शशांक शुभंकर ने कहा कि प्रशासन इनकी व्यावहारिकता पर विचार कर अविलंब उचित कदम उठाएगा। उन्होंने बताया कि यह संवाद कार्यक्रम अब प्रत्येक बुधवार और शनिवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। इच्छुक युवा गया जिले की एनआईसी वेबसाइट या निर्धारित लिंक के माध्यम से अपने बहुमूल्य सुझाव और विचार प्रशासन तक पहुँचा सकते हैं। कार्यक्रम के समापन पर युवाओं ने जिला प्रशासन की इस सहयोगात्मक पहल की जमकर प्रशंसा की।

डीएम ने किया तटबंधों और घाटों का निरीक्षण

बीएनएम@ बगहा

नेपाल में GLOF की सूचना और गंडक नदी में संभावित जल वृद्धि के मद्देनजर पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने बगहा अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न तटबंधों और घाटों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभियंताओं और संबंधित अधिकारियों को तटबंधों की 24 घंटे सतत निगरानी करने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद रहने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने आमजन की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए तटवर्ती और निचले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों से बचें, पैनिक न करें, नदी के समीप अनावश्यक रूप से न जाएं और केवल जिला प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

मोटरसाइकिल की सीट के नीचे छिपाकर रखा 4.426 किलो गांजा बरामद, नेपाली तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ रक्सौल

हरैया थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 4 किलो 426 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार को हरैया थाना क्षेत्र के सीवान टोला में ग्रामीण गश्ती के दौरान पुलिस और एसएसबी जवानों ने एक मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल की सीट के नीचे छिपाकर रखा गया कुल 4 किलो 426 ग्राम गांजा बरामद हुआ। मौके से अवध किशोर प्रसाद, पिता ढग राउत, निवासी कुहड़ी, थाना सुगौली, जिला पर्सा (नेपाल) को गिरफ्तार किया गया। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। बरामद गांजा और अन्य साक्ष्यों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ के आधार पर मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है। तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में पुलिस और एसएसबी द्वारा लगातार संयुक्त गश्त और जांच अभियान चलाया जा रहा है।

आंबेडकर बालिका विद्यालय में खाद्यान्न चोरी का मामला उजागर

थैलों में भरकर ले जाते दिखीं महिलाएं, एसडीएम ने जांच के आदेश दिए

बीएनएम@ शेखपुरा

नगर थाना क्षेत्र के मकदुमपुर स्थित भीमराव आंबेडकर बालिका विद्यालय में बच्चों के लिए आने वाले खाद्यान्न की कथित चोरी का मामला सामने आया है, जहाँ बुधवार को पांच महिलाएं विद्यालय से दाल, चावल, आलू, मैगी और नमक से भरे दो-दो थैले लेकर बाहर निकलते कैमरे में कैद हुईं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विद्यालय खुलने के बाद से ही इस तरह की गतिविधियां लगातार चल रही हैं। जब विद्यालय की महिला गार्ड मालती देवी से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पहले तो जानकारी न होने की बात कही और बाद में पल्ला झाड़ लिया, जिससे उनकी संलिप्तता से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।इस गंभीर मामले पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम प्रियंका कुमारी ने कहा है कि जिला कल्याण पदाधिकारी को जांच के लिए निर्देशित किया जाएगा और तथ्यों के आधार पर कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं, सीपीआई के जिला मंत्री प्रभात कुमार पांडे ने बच्चों के भोजन की सामग्री की इस तरह की चोरी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए तत्काल निष्पक्ष जांच की मांग की है और कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

आरक्षण सुधार की मांग हिंदू समाज को बांटने की कोशिशः डॉ. अजय आलोक

» आरक्षण सुधार की मांग पर गरमाई सियासत

बीएनएम@ पटना

जातिगत आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर छिड़ी बहस के बीच भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय आलोक के एक वीडियो बयान ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। करीब आठ मिनट के इस वीडियो में उन्होंने अपनी व्यक्तिगत राय रखते हुए आरक्षण सुधार की मांग करने वाले आंदोलनों पर सवाल उठाया और 2019 में ईडब्ल्यूएस वर्ग को मिले 10 प्रतिशत आरक्षण का विशेष जिक्र किया। डॉ. आलोक के इस बयान के बाद आरक्षण सुधार समर्थकों ने तीखा सवाल उठाया है कि जब आरक्षण नीति समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करती है, तो इस पर पुनर्विचार की मांग करने का अधिकार सबको क्यों न हो।यह विवाद ऐसे समय में तूल पकड़ रहा है जब हाल ही में 21 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरक्षण सुधार के लिए प्रदर्शन हुआ था, जिसे विश्वविद्यालयों में यूजीसी के 2026 इक्विटी नियमों से जुड़े विवाद से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विरोध कर रहे संगठनों का तर्क है कि आरक्षण और उससे जुड़े नियमों पर खुली और पारदर्शी बहस होनी चाहिए। हालांकि भाजपा प्रवक्ता के इस बयान को उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी बताया गया है, लेकिन संवेदनशील राजनीतिक माहौल में इस बयान के बाद सियासी प्रतिक्रियाओं और बहसों का दौर तेज होने के पूरे आसार हैं।

गया में शहीद जवानों की स्मृति में पहली बार तर्पण यात्रा

27 सितंबर से श्रीमद्भागवत कथा का होगा आयोजन

बीएनएम@ गयाजी

भारतीय सेना के वीर शहीद जवानों की स्मृति और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से गयाजी में 27 सितंबर से 4 अक्टूबर तक श्रीमद्भागवत महापुराण साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। श्री रघुनंदन जी सेवा समिति द्वारा पितृपक्ष महोत्सव के दौरान होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान के तहत पहली बार शहीद सैनिकों के नाम पर विशेष तर्पण यात्रा भी निकाली जाएगी।सिंह पेट्रोल पंप, जेल प्रेस कॉलोनी परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में वृंदावन के आचार्य श्री कृष्ण निलेश शास्त्री श्रद्धालुओं को कथा सुनाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में थल सेना के धर्म शिक्षक संजीत तिवारी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जनकल्याण के साथ देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान प्रकट करना है। कार्यक्रम का सबसे आकर्षण केंद्र 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) को सिकरिया मोड़ से सीताकुंड तक निकलने वाली तर्पण यात्रा होगी, जहाँ शहीद जवानों की स्मृति में विधिवत तर्पण किया जाएगा। समिति के कोषाध्यक्ष रंजीत कुमार तिवारी ने बताया कि इस अनुष्ठान को कर्नल विक्रम सिंह संपन्न कराएंगे। आयोजकों ने सभी नागरिकों से इस ऐतिहासिक और देशभक्ति से जुड़े धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने की अपील की है।

हत्या के प्रयास एवं शराबबंदी मामले में तीन गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास एवं मद्यनिषेध से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 416/26, दिनांक 26 अगस्त 2026, हत्या के प्रयास से संबंधित मामले में घोघरहा बैरिया वार्ड नंबर-4 निवासी कुंदन कुमार, पिता सतीश दास और संतोष दास, पिता बच्चू दास को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 415/26, दिनांक 26 अगस्त 2026, के मामले में पानापुर रंजिता निवासी अजय सहनी, पिता स्व. पन्नालाल सहनी को गिरफ्तार किया गया है। उक्त मामला मारपीट, धमकी एवं बिहार मद्यनिषेध अधिनियम से संबंधित है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अजय सहनी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध हरसिद्धि थाना कांड संख्या 329/26, दिनांक 27 जून 2026 को मामला दर्ज है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गंगा के जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की कमी, तटवर्ती पंचायतों के लोगों को राहत

» खतरे के निशान से ऊपर बह रही नदी, प्रशासन अलर्ट

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहिउद्दीननगर विधानसभा क्षेत्र से गुजरने वाली गंगा नदी के जलस्तर में बुधवार को 10 सेंटीमीटर की कमी दर्ज की गई है, जिससे तटवर्ती पंचायतों के लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली है। हालांकि, नदी का पानी अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।बुधवार सुबह मोहनपुर प्रखंड के शरारी गेज स्थल पर गंगा का जलस्तर 46.75 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो 45.50 मीटर के खतरे के निशान से अभी भी 1.25 मीटर ऊपर है, हालांकि जलस्तर घटने की प्रवृत्ति में है। जल संसाधन विभाग के कनीय अभियंता मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। किसी भी संभावित कटाव या आपात स्थिति से निपटने के लिए तटबंधों की लगातार निगरानी की जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है।विभागीय कर्मियों को संवेदनशील स्थलों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। नदी के तेवर भले ही थोड़े नरम पड़े हों, पर खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण प्रशासन और जल संसाधन विभाग पूरी तरह सतर्कता बरत रहे हैं।

हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिन पर निकला जुलूस

» शांति, भाईचारे और सौहार्द का दिया संदेश

बोचहा घाट तक निकला पांच किलोमीटर लंबा जुलूस

बीएनएम@ समस्तीपुर

हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को मोहिउद्दीननगर प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न स्थानों से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। बड़ी मस्जिद, महमद्दीपुर, मनियर और मरगंगपार सहित विभिन्न गांवों से निकले इस जुलूस में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया। जुलूस के दौरान लोगों ने समाज में शांति, आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक सौहार्द का जोरदार संदेश दिया।बड़ी मस्जिद से निकले जुलूस में क्षेत्र के प्रसिद्ध विद्वान मो. अब्दुल मालिक खां ने पैगंबर साहब के संदेशों को जन-जन तक पहुँचाया। बाजार की सड़कों के दोनों ओर जुलूस देखने वालों की लंबी कतारें लगी थीं। मरगंगपार के सदर मो. खालिक, मो. अरमान अली और मो. हिजबुल्ला ने बताया कि बोचहा घाट तक करीब पाँच किलोमीटर लंबा यह जुलूस पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।इस दौरान मोहिउद्दीननगर पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क रहा और विभिन्न चौराहों पर पुलिसकर्मी तैनात रहे, जिससे पूरा आयोजन व्यवस्थित ढंग से पूरा हुआ।

ट्रंप काल में कई बातें उजागर

अडानी धन की ताकत से वे अमेरिका में भी बरी हो गए हैं। मगर इस क्रम में यह भी साफ हुआ है कि अमेरिकी न्याय व्यवस्था कैसे काम करती है और उस पर धन का कितना प्रभाव है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश निकोलस गरौफिस ने अडानी समूह के खिलाफ घूस देने और धोखाधड़ी के आपराधिक मुकदमे को खारिज करने पर यह कहते हुए सहमति दे दी कि 'संघीय अभियोजकों के निर्णय की समीक्षा करने का जज के पास सीमित अधिकारó है। लेकिन उन्होंने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग के इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए लिखा- "अभियोग खारिज करने के निर्णय में बरती गई अनियमितताएं चिंताजनक हैं।" उन्होंने दो टूक कहा कि न्याय विभाग ने सामान्य से हटकर अलग प्रक्रिया अपनाई। जज ने खासकर न्याय विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ट्रेंट मैक्कॉटर की आलोचना कड़ी की है। कहा- मैक्कॉटर ने विभिन्न संघीय कार्यालयों के अनगिनत अधिकारियों और विशेषज्ञों की पेशेवर राय को नजरअंदाज कर दिया। जज ने बेलाग इस पर रोशनी डाली कि न्याय विभाग ने यह फैसला अडानी के वकीलों के साथ मिलकर लिया, जबकि अमेरिकी जांच एजेंसियों- एफबीआई और एसईसी, इस केस को दर्ज करने वाले अभियोजकों तथा अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय की कोई सलाह नहीं ली गई।

जज ने इसे "अत्यंत असामान्य" बताया है। इससे पहले जब न्याय विभाग ने केस वापस लेने का शुरुआती अनुरोध भेजा, तो जज ने उसे "कमजोर, सतही और अस्पष्ट" तर्कों पर आधारित बताया था। तब कोर्ट ने न्याय विभाग से मामले को खारिज करने के ठोस कारण मांगे थे। अब अंतिम फैसले में न्यायाधीश ने जो कहा है, उससे साफ है कि न्याय विभाग उन्हें संतोषजनक जवाब भेजने में नाकाम रहा। उसने स्पष्ट नहीं किया कि अडानी समूह के किन शर्तों पर राजी होने के बाद ट्रंप प्रशासन ने उपरोक्त फैसला लिया। इसके पहले अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग द्वारा दर्ज कराए गए के मुकदमे में गौतम अडानी 60 लाख और उनके भतीजे सागर एक करोड़ 20 लाख डॉलर का भुगतान करने पर राजी हुए थे। इस तरह धन की ताकत से वे अमेरिका में भी बरी हो गए हैं। मगर इस क्रम में अमेरिकी न्याय व्यवस्था कैसे काम करती है और उस पर धन का कितना प्रभाव है, यह साफ हुआ है। ट्रंप काल में ऐसी कई बातें उजागर हो रही हैं, जो जिन पर पहले परदा पड़ा रहता था।

गुलामों को इंसान बनाने वाला बादशाह- हक के रास्ते पर चलने की दी नसीहत

मुस्ताअली बोहरा

इंसानों को गुलाम बनाकर तो बहुत लोग बादशाह बने लेकिन गुलामों को इंसान बनाकर जो बादशाह बने वो थे सिर्फ और सिर्फ हजरत पैगंबर मोहम्मद साहब। अल्लाह के प्यारे नबी की विलादत को पूरी दुनिया में जश्न की तरह मनाया जाता है, इसलिए इसे ईद-ए-मिलादुन्नबी भी कहा जाता है। मोहम्मद साहब वही नबी थे, जिनके आने के पहले पूरे अरब में हिंसा का बोलबाला था। औरतें और बच्चे महफूज नहीं थे। नवजात बच्चियों को जिंदा दफन कर दिया जाता था। लोगों के जान-माल की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं थी। शराब, जुआ, आम था। एक कबीले के लोग दूसरों से खूनी जंग करने पर आमादा रहते थे। इस अंधेरे दौर से दुनिया को बाहर निकालने के लिए अल्लाह ने हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को पैगंबर बनाया। मोहम्मद साहब के बताए आदर्शों, नसीहत और सीख के बाद इंसान, इंसान से मोहब्बत करने लग गया था। जुल्मो- सितम की जगह अदल व इंसाफ ने लेली थी। तलवार के कब्जे पर रखे हाथ अब तालीमे अखलाक के लिए मैदान में निकल आए थे। यह वही 'मोहम्मद' थे जिन्होंने इंसान को दुनियावी और दीनी तालीम देते हुए हक के रास्ते पर चलने की नसीहत दी। मुहम्मद (स.अ.) ने जब इस्लाम का प्रचार करना शुरू किया और जब वे सत्य और न्याय के मार्ग पर आगे बढ़ रहे थे तब उन्हें विरोध, आरोपों और शारीरिक-मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। लेकिन इस मुश्किल वक्त में भी उन्होंने अल्लाह पर अपना यकीन कायम रखा और आगे बढ़ते रहे।

उन्होंने ऐसे आदर्श समाज की स्थापना की जिसमें कई कबीलों और जातियों के लोग बिना किसी भेदभाव के समान अधिकारों के साथ रह सकें। मोहम्मद साहब को अब्द, बशीर, शाहिद, मुबारशीर, नाथिर, सिराज मुनीर, अल मुजम्मिल और अहमद के नाम से भी जाना जाता है। अरब के लोग उन्हें अल-अमीन और अल-सादिक के नाम से भी पुकारते थे। पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहे वसल्लम ने ही इस्लाम धर्म की स्थापना की है। आप हजरत सल्ल. इस्लाम के आखिरी नबी हैं, आपके बाद अब कयामत तक कोई नबी नहीं आने वाला। 570 ईस्वी. इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक 12 रबीउल अव्वल मोहम्मद की पैदाइश का दिन। अपने पिता अब्दुल्लाह के इस दुनिया से रुखसत हो जाने के बाद जन्मे इस मासूम बच्चे के बारे में किसने सोचा की थी कि यह शराब-ओ शबाब में खोई, बर्बर और भोग-विलास को अपना धर्म समझने वाली कबीलाई अरब सभ्यता की दशा और दिशा बदलने वाला देवदूत होगा। आपके दादा अब्दुल मुत्तलिब आपकी पैदाइश के दिन ही आपको खाना-ए-काबा ले गए और तवाफ कराकर लाए, और आपका नाम मुहम्मद रखा। आपकी वालिदा ख्वाब में फरिश्ते ने आपका नाम अहमद बताया और इस तरह आपके दो नाम रखे गए। नबी साहब के ये दोनों ही नाम असली है। पैगंबर मोहम्मद साहब का नाम दुनिया में सबसे लोकप्रिय नामों में से एक है। हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) का नाम ही ऐसा है कि उसे लेते ही दिल को सुकुन मिल जाता है। उनकी पूरी ज़िंदगी, उनकी हर नसीहत जहालत के गहरे अंधकार में इंसानियत की रौशनी की मानिंद है।

आपके पिता की मौत उनके जन्म से पहले ही हो गई थी, इसके बाद कुछ सालों बाद सिर से मां का साया भी उठ गया। 6 साल की उम्र में अनाथ हो गए, वह अपने चाचा अबू तालिब और दादा अब्दुल मुत्तलिब की सरपरस्ती में रहे। तब उनकी माली हालत भी ठीक नहीं थी। तब वे दमस्क में एक ऊंट की देखभाल करने लगे। 9 साल की उम्र में आप अपने चाचा अबू तालिब के साथ अपने पहले व्यावसायिक सफर पर गए और इसके बाद खुद व्यवसाय पर जाने लगे।

मोहम्मद साहब अपने खाली वक्त में वह जबल अल-नूर पर्वत पर 'गार-ए-हिरा' में जाकर इबादत में मशगूल हो जाते थे।

उनके पास ना तो कोई दौलत थी और न सरमाया। ना सोने-चांदी, हीरे-जवाहरात के ढेर। फिक्रो-फाका, गरीबी और तंगहाली को देख कर कर्म विरोधी लोग अक्सर कहते थे कि 'ये कैसा नबी है जो रहता है टूटे हुए हुजरे में, बैठता है खजूर की चटाई पर पहनता है फटी हुई चादर और दावा करता है सारे कायनात के नबी होने का'। लेकिन ये वही नबी थे जिनके वादे को ईमाम हुसैन ने कर्बला में अपनी शहादत देकर पूरा किया और इंसानियत को ता कयामत के लिए बचा लिया।

मोहम्मद साहब का पूरा जीवन और उनके किए हर काम में कोई न कोई संदेश जरूर छिपा होता था। मसलन, हजरत खदीजा से मोहम्मद साहब की शादी। 25 साल की आयु में आपने 40 साल की विधवा से शादी की। उनके इस फैसले में विधवा विवाह का सामाजिक संदेश छिपा हुआ था। मक्का के बाहर एक पहाड़ पर सन् 610 में ईश्वरी संदेश या वही के जरिए उन्हें नुबुवत मिली अर्थात पैगंबर बनाए जाने का संदेश मिला। उस वक्त 40 साल के थे।

हजरत मोहम्मद साहब पर जो अल्लाह की पवित्र किताब उतारी गई है, वह है कुरआन। अल्लाह ने फरिश्तों के सरदार जिब्राइल अलै. के मार्फत पवित्र संदेश (वही) सुनाया। उस संदेश को ही कुरआन में संजोया गया है। कुरान वह पाक और मुकद्दस किताब है जो आज भी लोगों को भलाई के रास्ते पर चलने का संदेश दे रही है।

मोहम्मद साहब की पैदाइश, अरब की सरजमी पर उस समय हुई है जब इंसानियत कराह रही थी। बाप अपनी बच्ची को उसकी हिफाजत के डर से जिंदा जला देते थे। औरत नुमाइश, भोग एवं विलास की वस्तु थी। नाहक तौर पर अरब कबीले एक-दूसरे से जंग करते थे। जहालत के कारण इंसानियत ही खत्म हो गई थी। ऐसे दौर में मोहम्मद साहब ने लोगों को सहीं रास्ता बताया। औरतों को उनका पूरा हक देने, उनके साथ सम्मानजनक बर्ताव करने की हिदायत दी। मोहम्मद साहब के कहना था कि बेटी तो किस्मत वालों के यहां पैदा होती है। इसी तरह आपने बेटे-बेटी की बीच भेदभाव को गलत करार दिया। आपने मां-बाप के मर्तबा बताया और बच्चों को मां-बाप की नाफरमानी न करने की नसीहत दी।

न तो ईसा मसीह की तरह मोहम्मद को जन्म से ही अपने नबी होने का अंदाजा था न ही वे मूसा की तरह बेशुमार चमत्कारों के धनी थे। वे जागीर या सल्तनत देकर भी जमीं पर भेजे नहीं गए थे, फिर भी लोगों में मकबूल थे। लोग प्रेम से इन्हें 'सादिक' यानि सच्चा या 'अमीन' यानि अमानतदार कह कर बुलाते थे। हजरत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) को उनकी ईमानदारी की वजह से लोग उन्हें 'अल-आमीन' (विश्वस्त) कहकर पुकारते थे। मोहम्मद साहब के चेहरे पर नूर था। वह लोगों की जरूरतें पूरी करते, अच्छे कामों के लिए लोगों को प्रेरित करते। आप ने कभी दो वक्त का खाना नहीं खाया, एक वक्त खाना खाते और उसमें भी सिर्फ एक ही सब्जी। वह कभी अकेले नहीं खाते बल्कि दूसरे लोगों को न्यौता देकर बुलाते और उनके साथ खाना खाते। आपने ही सबसे पहले खाना खाने से पहले और खाने के बाद हाथ धोने की परंपरा पर जोर देते हुए आगे बढ़ाया। आप गरीब और बीमारों की देखभाल किया करते थे। सही मायनों में आप नेकी, प्रेम, उदारता एवं पवित्रता के प्रतीक थे।

12 रबीउल अव्वल सन 570 को मोहम्मद साहब का जन्म हुआ। आपके पिता का नाम अब्दुल्ला इब्न अब्दुल मुत्तलिब और मां का नाम आमेना बिन्ते वहब था। 576 में आपकी मां आमेना का इंतकाल हो गया। 583 को उनके दादा ने उन्हें व्यापार का अनुभव हासिल करने के लिए सीरिया भेज दिया। 595 में आपकी हजरत खदीजा से शादी हुई। पैगंबर साहब के तीन बेटे और चार बेटियां थीं। इनमें कासिम इब्ने मोहम्मद, अब्दुल्लाह इब्ने मोहम्मद, ज़ैनब बिन्ते मोहम्मद, रूकैयया बिन्ते मोहम्मद, उम्मे कुलसुम बिन्ते मोहम्मद, फातेमा बिन्ते मोहम्मद और इब्राहिम इब्ने मोहम्मद शामिल हैं। इनमें से छह बच्चे हज़रत खदीजा से थे, इब्राहिम की मां मारिया थीं। फातेमा को छोड़कर मोहम्मद साहब के सभी बच्चों की मौत उनसे पहले ही हो गई थी। 610 ई. 40 साल की उम्र में गार ए हिरा गुफा में देवदूत जिब्राइल से मुलाकात हुई और पैगंबर बनाए जाने का संदेश मिला। इसके बाद आपने इस्लाम के संदेश लोगों तक पहुंचाने शुरू किए। 619 में आपकी पत्नी खदीजा और चाचा अबू तालिब का इंतकाल हो गया। 620 को मेराज हुई यानि आप आसमानी सफर पर गए। 622 को आपने हिजरत की। सन 622 में वे मक्का से 200 मील दूर मदीना आ गए और मदीना के ही हो गए। मक्का से मदीना के इस सफर को हिजरत कहा जाता है और यहीं से इस्लामी कैलेंडर हिजरी की शुरूआत हुई। 629 को पहली हज यात्रा की। 632 को आखरी हज यात्रा की। 8 जून 632 ईस्वी, 28 सफर हिजरी सन् 11 को 63 वर्ष की उम्र में हजरत मुहम्मद सल्ल. ने मदीना में दुनिया से पर्दा कर लिया। आपको मदीना में दफन किया गया, जहां मस्जिद-ए-नबवी है। मदीना से नबी साहब का खासा जुड़ाव रहा। मदीना पहुंचने के बाद यहां ऐसा समाज स्थापित हुआ जो अमनो-चैन, इंसानियत और आपसी भाईचारे की बुनियाद पर खड़ा था। मदीना में इस्लाम को ना सिर्फ ठिकाना मिला बल्कि यहीं से एक नये युग की शुरूआत भी हुई।

आज भी मोहम्मद साहब के जीवन आदर्श को अपनाने, उनके बताए रास्ते पर चलने और मोहम्द साहब को मानने के साथ ही मोहम्मद साहब की मानना भी जरूरी है। आज सबसे बडा सवाल यही है कि इस्लाम का जो रूप दुनिया को दिख रहा है क्या उसी इस्लाम की स्थापना मोहम्मद साहब ने की थी। इसका जवाब निश्चित रूप से ना में ही होगा, ऐसे में मोहम्मद साहब के अनुयायियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वो अपना किरदार इस तरह से समाज के सामने पेश करें ताकि पूरी दुनिया में ये संदेश जा सकें कि ये वही इस्लाम है जिसको मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन ने अपनी कुर्बानी देकर बचाया है।

(अधिवक्ता एवं लेखक- भोपाल (मध्यप्रदेश)

सो, जब विवाद चरम पर था, तब चुप्पी थी

हरिशंकर व्यास

चिड़ियां खेत चुग गईं और कल, शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, "चिड़ियों को भी चुगने का अधिकार हैज्" इतना ही नहीं वे आंख मूंदकर 'जेन-ज़ीó पर भरोसा करने की बात कर रहे थे। तब प्रश्न है कि सात अगस्त 2026 को मोहन भागवत कहां थे, जब संसद मार्ग पर बच्चे-बच्चियों पर लाठियां बरस रही थीं, पैलेट गन के छर्रे दागे जा रहे थे?

या फिर 15 मई 2026 को वे किस मनःस्थिति में थे, जब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने दिल्ली हाई कोर्ट के वकीलों को फटकारते हुए देश के ही कुछ नागरिकों को 'परजीवीó और 'कॉकरोचó जैसी श्रेणियों में रख दिया? ध्यान रहे, उस दिन मुख्य न्यायाधीश दिल्ली हाई कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता नामांकन प्रक्रिया में कथित देरी और उससे जुड़े विवाद पर सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ताओं की पीड़ा यह थी कि वरिष्ठ पदनाम देने की प्रक्रिया में योग्यता की बजाय पक्षपात और पसंद-नापसंद हावी है। लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें यह सुनना पड़ा, "समाज में कुछ परजीवी हैं, जो व्यवस्था पर हमला करते हैं। उन्हें रोज़गार नहीं मिलता और पेशेवर ज़िंदगी में कोई जगह नहीं मिलती। उनमें से कुछ मीडिया बन जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं"।

संघ परिवार स्वयं को सांस्कृतिक और नैतिक नेतृत्व का ठेकेदार बताता है। यदि ऐसा है तो उसके प्रमुख के नाते मोहन भागवत का दायित्व बनता था कि वे इस भाषा पर तत्काल आपत्ति दर्ज कराते। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से कहते कि या तो इस शब्दावली पर सार्वजनिक खेद व्यक्त कराया जाए, या स्वयं प्रधानमंत्री स्पष्ट करें कि इस देश में कोई भी नागरिक "कॉकरोच" नहीं है। साथ ही, सरकार औपचारिक रूप से अदालत के आगे आग्रह रखे कि इस प्रकार की शब्दावली को वापस लिया जाए।

सो, जब विवाद चरम पर था, तब चुप्पी थी। मोहन भागवत, दत्तात्रेय होसबाले, कृष्ण गोपाल, अरुण कुमार और पूरे 'भाईसाहबó नेटवर्क में रत्ती भर भी जूं नहीं रेंगी। जंतर-मंतर पर हजारों छात्र-युवा बैठे रहे। आमरण अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस उठाकर अस्पताल ले गई। विपक्ष सक्रिय हुआ। तब भी मोहन भागवत के मुख से एक शब्द भी नहीं निकला। हां, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह अतुल लिमये ने उलटे 'जेन-ज़ीó और छात्रों के 'कॉकरोच जनता पार्टीó आंदोलन को "संविधान-विरोधी" और "राष्ट्र-विरोधी" बता दिया। और अब मोहन भागवत ने कहा हैं कि "हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ"। आज जमीनी भारत का सीधा-सादा सच है कि देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। आने वाले दो दशकों तक राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था का केंद्र यही पीढ़ी रहेगी। इस पीढ़ी का पहला सरोकार शिक्षा, परीक्षा, रोजगार और कमाई है।

लेकिन पिछले बारह वर्षों में यदि किसी क्षेत्र की सर्वाधिक बरबादी हुई है तो वह शिक्षा है। कहावत है खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है। राजनीति का वही स्वभाव शिक्षा व्यवस्था में दिमाग, बुद्धि, काबलियत, कौशल को खा बैठा है। मोदी राज के स्मृति ईरानी, रमेश पोखरियाल 'निशंकó और धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल में शिक्षा कैसी हुई? कैसे चली? 'भाईसाहबó लोगों की नेटवर्किंग, भय-भूख-भक्ति की प्रवृति ने विश्वविद्यालयों को खा डाला है। खोखला बना दिया है। तुलना करें। कांग्रेस काल में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, केएल श्रीमाली, हुमायूं कबीर, पीवी नरसिंह राव और डॉ. करण सिंह जैसे लोग शिक्षा मंत्री थे। वाजपेयी सरकार में डॉ. मुरली मनोहर जोशी थे। इनकी पहचान सबसे पहले एक शिक्षाविद् की थी। डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने भी अपने समय में कुलपति और उपकुलपति नियुक्त किए थे। लेकिन क्या वे इन बारह वर्षों के मोदी राज में विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों के नए खोखे से खुश होंगे? योग्यता से अधिक संघ नेटवर्क और मोदी-शाह के संकेत शिक्षा के मालिकानों की ऐसी दुकान बनी है, जिसका कोई धर्म-ईमान नहीं है। शिक्षा व्यवस्था की गिरावट की नई कहानी का यही मुख्य कारण है। तभी आश्चर्य नहीं हुआ कि जंतर-मंतर पर एकत्र छात्रों की चिंता में डॉ. मुरली मनोहर जोशी का बयान देखा। पर तब भी मोहन भागवत की नींद नहीं खुली। उनमें साहस नहीं था। शायद मान रहे होंगे अमित शाह आंदोलन को ऐसा मारेगा, ऐसा मारेगा कि नौजवान की तरूणाई भी किसानों की तरह दम तोड़ देगी। इसलिए बेकार पंगा न लो। चुप रहो। तो लडके-लड़कियां मोदी के रैप में थिरकेंगे या मोहन भागवत कीर्तन करेंगे। या मजा लेते हुए पूछेंगे, "हाय दोस्त पप्पू, क्या तुम बैकस्टेज हो?"

मेष राशिः आज पूरा दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आप किसी नए कार्य की शुरुआत करेंगे, जिसमें जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सामाजिक गतिविधियों में रुझान बढ़ेगा। फाइनेंस से जुड़े सारे काम समय पर निपटा लेंगे। इस राशि की महिलाएं घर से ही किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकती हैं, जिसमें परिवार का पूरा सपोर्ट रहेगा। किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए कंफर्ट जोन से बाहर निकलेंगे और अपनी जीवनशैली में बदलाव करेंगे। किसी चीज को बिना जाने-समझे फैसला करने से बचें। करियर को लेकर थोड़ी उलझन हो सकती है, लेकिन किसी समझदार व्यक्ति का साथ मिलने से राहत मिलेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। इस राशि के बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करेंगे, जिससे टेस्ट में अच्छे अंक प्राप्त होंगे। परिवार के साथ बैठकर एन्जॉय करेंगे, जिससे खुशी मिलेगी। मन रचनात्मक चीजों में लगेगा, आज आप अधूरी पड़ी पेंटिंग को पूरा कर सकते हैं।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहने वाला है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है, जिससे मन शांत रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं, जहाँ आनंद की एक अलग अनुभूति होगी। दूसरों की राय लेकर ही काम की शुरुआत करें, सफलता तय है। दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी करीबी से शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे दिन बन जाएगा। बच्चों का मनोबल बनाए रखने में सहयोग करेंगे। कर्मचारियों की मदद से बिजनेस की गतिविधियां ठीक तरह से चलती रहेंगी। काम से जुड़ी अथॉरिटी मिल सकती है, जिससे बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो उम्मीद से अधिक फायदा कराएगी। घर में परिवारजनों के साथ नवीनीकरण व साज-सज्जा को लेकर विचार-विमर्श होगा। ऑफिस में चल रहा प्रोजेक्ट पूरा होने से राहत मिलेगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। सरकारी कामों में समझदार व्यक्ति से राय मिलेगी, जिससे काम आसान हो जाएगा। आपका व्यक्तित्व व रहन-सहन के प्रति सजग रहना लोगों के बीच आकर्षण का कारण बनेगा। समाज में छवि निखरेगी। अपनी कार्यप्रणाली व्यवस्थित बनाए रखेंगे, जिससे समय की बचत होगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। बिजनेस में सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है। जीवनसाथी से मन की बात शेयर कर सकते हैं, जिससे हल्का महसूस होगा। ऑफिस में सबके बीच सामंजस्य बनाकर रखेंगे। घर पर अचानक रिश्तेदार का आगमन होगा, जिससे चहल-पहल बनी रहेगी। शुभ अंकः 3

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उत्साह से परिपूर्ण रहेगा। रोजगार की तलाश खत्म होगी, पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं। समय दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ बीतेगा, जिससे रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी समारोह में जाने का अवसर मिल सकता है। कारोबारियों के लिए दिन महत्वपूर्ण रहेगा, नए लोगों से डील पक्की हो सकती है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आएगा। कड़ी मेहनत से हासिल करने की कोशिश की गई चीज़ें पाने में सफल रहेंगे। व्यावसायिक योजना बनाने में सफल रहेंगे, जिससे आगे अच्छा लाभ होगा। काम के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें। जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा और उन्हें सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। शुभ अंकः 2

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए आशाजनक बना रहेगा। आर्थिक रूप से समृद्ध रहेंगे और दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बातचीत के दौरान शब्दों का सही चयन करें, जिससे रिश्ते अच्छे बने रहें। इस राशि के लेखक अपनी पुस्तक का लोकार्पण कर सकते हैं, जिसे खूब पसंद किया जाएगा। बच्चे पढ़ाई के साथ खेल-कूद में भी मन लगाएंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाएं बनाएंगे, जिसमें कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा। ऑफिस के प्रोजेक्ट को बहुत अच्छे से पूरा करेंगे, जिससे बॉस खुश होकर प्रमोशन दे सकते हैं। खेल-कूद में रुचि रखने वाले छात्रों को प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। व्यक्तिगत व पारिवारिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

दहेज के दानव ने विवाह जैसे पवित्र संस्कार को बनाया सौदा,बेटी को बोझ और बेटे को नीलामी की वस्तु समझने की मानसिकता बदले

कांतिलाल मांडोत

बहू को बेटी का सम्मान मिले, तभी दहेज की आग और अत्याचार का अंत होगा

युवाओं के संकल्प और समाज की जागरूकता से ही शुरू होगी कुरीति के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई।विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों और दो जीवनों को जोड़ने वाला पवित्र सामाजिक संस्कार है। शहनाइयों की मधुर ध्वनि, वरमाला, अग्नि के फेरे और जीवनभर साथ निभाने के संकल्प के साथ दो लोग गृहस्थ जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते हैं। दुनिया के लगभग सभी समाजों में विवाह की अपनी परंपराएं रही हैं। कहीं युवक-युवती स्वयं जीवनसाथी चुनते हैं तो कहीं परिवार के बड़े-बुजुर्ग उनकी जोड़ी तय करते हैं। उद्देश्य एक ही रहा है कि परिवार और समाज की व्यवस्था प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी के आधार पर आगे बढ़े। लेकिन आज विवाह की यह पवित्रता दहेज जैसी कुरीति के कारण लगातार चोटिल हो रही है। विवाह कई परिवारों के लिए खुशी का अवसर होने के बजाय आर्थिक चिंता का कारण बन गया है। लड़के की शिक्षा, संस्कार, योग्यता और व्यक्तित्व से अधिक यह देखा जाने लगा है कि वह विवाह में कितना धन, कितना सोना, कौन सी कार और कितना सामान लेकर आएगा। बेटा जीवनसाथी बनने के बजाय मानो नीलामी की वस्तु बन गया है और जो परिवार अधिक दहेज देने को तैयार हो, उसके साथ संबंध जोड़ने की मानसिकता समाज में गहरी होती जा रही है। धर्म का कार्य व्यक्ति और समाज दोनों को सुखी बनाना है। यदि किसी धार्मिक और सभ्य समाज में विवाह के नाम पर किसी परिवार को आर्थिक बोझ, मानसिक तनाव और सामाजिक दबाव सहना पड़े तो यह गंभीर आत्ममंथन का विषय है। सच्ची धर्म-साधना केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं हो सकती। मन की निर्मलता तभी सार्थक है, जब हमारे व्यवहार में संयम, करुणा, त्याग और अपरिग्रह दिखाई दें। बाहर से धार्मिक दिखाई देने वाला व्यक्ति यदि दहेज के लिए किसी दूसरे परिवार को दुख देता है तो उसे अपने आचरण पर विचार करना चाहिए। विवाह गृहस्थाश्रम में प्रवेश की प्रथम सीढ़ी है। गृहस्थ जीवन प्रेम, सहयोग और जिम्मेदारी पर टिकता है। जब विवाह से पहले ही यह तय होने लगे कि नकद कितना मिलेगा, कार कौन सी होगी, सोना कितना दिया जाएगा और घर का कौन-कौन सा सामान आएगा, तब विवाह संबंध नहीं रह जाता, बल्कि सौदे का रूप ले लेता है। कई बार लड़का-लड़की एक-दूसरे को पसंद करते हैं, परिवार भी सहमत होते हैं, लेकिन दहेज की मांग दोनों के बीच दीवार बनकर खड़ी हो जाती है। दहेज की मूल परंपरा और आज की विकृति में बहुत अंतर है। पुराने समय में माता-पिता अपनी बेटी को प्रेम और स्नेह से अपनी क्षमता के अनुसार कुछ सामान या धन देते थे, ताकि वह नए घर में जीवन की शुरुआत कर सके। इसमें किसी प्रकार की मांग या दबाव नहीं होता था। लेकिन जब वर पक्ष ने इसे अपना अधिकार समझकर मांगना शुरू किया, तब यह परंपरा विकृत होकर सामाजिक अभिशाप बन गई। आज स्थिति यह है कि कई रिश्तों की शुरुआत ही दहेज की बातचीत से होती है।

रिश्ता तय होने से पहले ही पूछा जाता है कि विवाह में कितना खर्च करेंगे, कितनी नकदी देंगे, कौन सी गाड़ी देंगे और क्या-क्या सामान देंगे। यदि लड़की का परिवार मांग पूरी करने में असमर्थ हो तो योग्य युवक-युवती का संबंध तक टूट जाता है। यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि भावनात्मक अत्याचार भी है। बेटी के माता-पिता अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करते हैं, कर्ज लेते हैं और वर्षों तक उसकी कीमत चुकाते रहते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने की होड़ इस समस्या को और गंभीर बना देती है। दहेज की मांग विवाह के बाद समाप्त हो जाए, यह भी जरूरी नहीं। कई परिवारों में कार, मकान, नकदी या अन्य सामान की नई मांगें शुरू हो जाती हैं। मांग पूरी नहीं होने पर बहू को मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जाती है। मारपीट, अपमान और उत्पीड़न से लेकर गंभीर हिंसा तक की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कुछ मामलों में लालच इतना बढ़ जाता है कि विवाहिता की जान तक चली जाती है। कुछ चंद रुपयों, गाड़ी या संपत्ति के लिए किसी पत्नी का जीवन समाप्त कर देना केवल अपराध नहीं, बल्कि मानवता पर कलंक है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस बहू को घर में बेटी की तरह सम्मान मिलना चाहिए, उसके साथ उसके मायके से आए सामान के आधार पर व्यवहार किया जाता है। बहू को बेटी नहीं माना जाएगा, तब तक दहेज और उससे जुड़ा अत्याचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। जिस दिन सास-ससुर यह सोचेंगे कि घर में आई युवती किसी दूसरे की बेटी नहीं, बल्कि उनकी अपनी बेटी के समान है, उसी दिन परिवार की सोच बदलने लगेगी। दहेज केवल लड़की के परिवार को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि लड़के के परिवार की प्रतिष्ठा को भी खोखला करता है। जो माता-पिता अपने बेटे की कीमत लगाते हैं, वे वास्तव में अपने ही बेटे की योग्यता को कम कर रहे होते हैं। योग्य और संस्कारी युवक को अपने व्यक्तित्व पर विश्वास होना चाहिए। उसे यह कहने का साहस रखना चाहिए कि वह विवाह के बदले कोई धन या सामान नहीं लेगा। दहेज लेने से इनकार करने वाला युवक समाज में वास्तविक सम्मान का अधिकारी होना चाहिए।

युवाओं को इस बदलाव का नेतृत्व करना होगा। नवयुवकों को त्याग करके दिखाना होगा और रूप, गुण एवं शील के सामने दहेज को महत्व नहीं देना होगा। नवयुवतियों को भी दहेज मांगने वाले परिवारों के सामने अपने सम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए। यदि युवक और युवती दोनों मिलकर यह संकल्प लें कि विवाह दहेज के बिना होगा, तो परिवारों पर पड़ने वाला सामाजिक दबाव भी धीरे-धीरे कम होगा। माता-पिता की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बेटी के विवाह को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रदर्शन बनाने के बजाय सादगी और संस्कार का अवसर बनाना होगा। सामूहिक विवाह और सादगीपूर्ण विवाह की परंपरा को बढ़ावा देना चाहिए। इससे धन और समय की बचत होने के साथ समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। विवाह में दिखावे और अनावश्यक खर्च की प्रतिस्पर्धा जितनी कम होगी, दहेज की मांग का दबाव भी उतना ही कमजोर होगा। जैन समाज के संदर्भ में यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। भगवान महावीर ने त्याग, संयम और अपरिग्रह का संदेश दिया। ऐसे समाज में धन के लोभ में विवाह संबंध तय होना चिंतन का विषय है। महावीर के अनुयायियों को अपने जीवन में अपरिग्रह का भाव उतारना होगा। धनवान परिवारों को चाहिए कि वे केवल आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि संस्कार और योग्यता को प्राथमिकता दें। योग्य युवक निर्धन परिवार से हो तो भी उसे सम्मानपूर्वक अपनाया जाए। इसी तरह संपन्न परिवार की बेटी को केवल इसलिए अधिक मूल्यवान न समझा जाए कि वह अधिक दहेज ला सकती है। दहेज की कुरीति समाज की जड़ों को खोखला कर रही है। इसके कारण कई परिवारों में तनाव पैदा होता है, कई बेटियों के विवाह में अनावश्यक विलंब होता है और माता-पिता जीवनभर चिंता में रहते हैं। समाज का शिक्षित और प्रबुद्ध वर्ग यदि इस समस्या के प्रति मौन रहता है तो उसकी शिक्षा और जागरूकता का क्या अर्थ है? पढ़ा-लिखा समाज यदि कुछ चंद रुपयों के लिए अपनी बहू को प्रताड़ित करता है तो यह सभ्यता नहीं, बल्कि मानसिक पिछड़ेपन की निशानी है।

अब समय आ गया है कि दहेज को सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं, सामाजिक विकृति माना जाए। विवाह में दहेज मांगने वाले परिवारों को सम्मान देने के बजाय समाज को ऐसे परिवारों के प्रति स्पष्ट असहमति व्यक्त करनी चाहिए। बिना दहेज विवाह करने वाले युवकों और युवतियों को सम्मानित किया जाना चाहिए। धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन और समाज के प्रबुद्ध लोग मिलकर ऐसी पहल को मजबूत कर सकते हैं। दहेज की आग केवल एक घर को नहीं जलाती, बल्कि उसका धुआं पूरे समाज तक पहुंचता है। इसलिए इसका अंत भी सामूहिक संकल्प से ही होगा। जो व्यक्ति आज किसी की बेटी से दहेज मांग रहा है, उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि कल वह स्वयं बेटी का पिता हो सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एशियाई खेलों से पहले फिटनेस पर मीराबाई का फोकस, हर सप्ताह लेती हैं अमेरिकी विशेषज्ञ से सलाह

एजेंसी, नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एशियाई खेलों में अपने पहले पदक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह जुटी हुई हैं। सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चोट से बचना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए वह अमेरिकी स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ डॉ. आरोन हॉर्शिग से हर सप्ताह वीडियो कॉल के जरिए प्रशिक्षण और फिटनेस पर चर्चा करती हैं। मीराबाई ने साई मीडिया से कहा, ''हर गुरुवार को वीडियो कॉल में प्रशिक्षण, रिकवरी और आगे की रणनीति पर चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा होती है। डॉ. हॉर्शिग खुद भारोत्तोलक रहे हैं, इसलिए वह शरीर की हर मांसपेशी को समझते हैं। लगातार समीक्षा से मैं फिट रहने में सफल रही हूं।'' मीराबाई और हॉर्शिग का

साथ नवंबर, 2020 से है। मीराबाई अपने लंबे समय के कोच विजय शर्मा के साथ मोदीनगर में अभ्यास कर रही हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण में कोई ब्रेक नहीं लिया। मीराबाई ने कहा, ''मैं सीधे मोदीनगर लौटकर प्रशिक्षण में लग गई। मैं घर, मणिपुर भी नहीं गई। मैंने खुद के लिए चुनौती रखी है कि जब तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीतती, घर नहीं जाऊंगी।'' एशियाई खेलों का पदक मीराबाई के शानदार करियर में अब तक अधूरा अध्याय है। वह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत चुकी हैं। हालांकि चोट के कारण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों से बाहर रही थीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में कूल्हे और जांघ की चोट के कारण चौथे स्थान पर रही थीं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कुल 190 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाया तथा तीनों वर्गों में राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड बनाए। हालांकि मीराबाई ग्लासगो में प्रतिस्पर्धा के स्तर को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो राष्ट्रमंडल खेलों की प्रतियोगिता मेरे लिए बहुत कठिन नहीं थी। असली परीक्षा आगे है।'' मीराबाई के अनुसार एशियाई खेलों में चीन, उत्तर कोरिया, जापान और थाईलैंड की भारोत्तोलकों से सबसे कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है।

श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट, भारत ने दिया फॉलोऑन

एजेंसी, कोलंबो

भारत ने दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को पहली पारी में 290 रन पर ऑलआउट कर फॉलोऑन के लिए मजबूर कर दिया। भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 503 रन बनाकर घोषित की थी। दिन की शुरुआत के बाद भारत को श्रीलंका की आखिरी दो विकेट हासिल करने में सिर्फ 15 मिनट लगे। सोनल दिनूषा ने शानदार 103 रन बनाए। यह इस सीरीज में उनका दूसरा शतक है। वह श्रीलंका की पारी के आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए।

भारत के लिए पदार्पण कर रहे स्पिनर सारांश जैन ने श्रीलंका के आखिरी दोनों विकेट झटके। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और स्पिनर मानव सुथार ने भी तीन-तीन विकेट हासिल किए। समाचार लिखे जाने तक श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 5 रन पर 1 विकेट खो दिया है। सिराज ने लाहिरू उडारा (03) को सारांश जैन के हाथों कैच आउट कराया।

एंथनी एंड्रयूज बने भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के सहायक कोच

एजेंसी, नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को एंथनी एंड्रयूज को भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। जोआकिम अलेक्जेंडरसन टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे।

ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच एंड्रयूज क्लब और भारतीय टीम की जिम्मेदारी दोहरी भूमिका में संभालेंगे। वह ईस्ट बंगाल को लगातार दो बार भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) का खिताब दिला चुके हैं। उनके नाम आईडब्ल्यूएल

के इतिहास में सर्वाधिक चार खिताब हैं। उन्होंने 2021-22 और 2022-23 में गोकुलम केरल एफसी तथा 2024-25 और 2025-26 में ईस्ट बंगाल के साथ खिताब जीते। एंड्रयूज के मार्गदर्शन में ईस्ट बंगाल ने हाल में एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2026-27 के प्रारंभिक चरण में भी जीत दर्ज की। इसके साथ ही ईस्ट बंगाल लगातार दो सत्र एएफसी महिला चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में पहुंचने वाला पहला भारतीय महिला क्लब बना। एंड्रयूज अब ताशकंद में भारतीय अंडर-17 महिला टीम से जुड़ गए हैं। टीम 27 और 30 अगस्त को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। ये मुकाबले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर की तैयारियों का हिस्सा हैं। क्वालीफायर मुकाबले पांच से 11 अक्टूबर तक मलेशिया में होंगे।

एशियाई खेलों से पहले सिंड्रेला दास और पायस जैन टॉप्स विकास योजना में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली । एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय टेबल टेनिस की युवा प्रतिभा सिंड्रेला दास को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) की विकास योजना में शामिल किया गया है। कोलकाता की 17 वर्षीय सिंड्रेला ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सिंड्रेला के अलावा पुरुष युगल खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्य भी टॉप्स विकास योजना का हिस्सा हैं। सिंड्रेला ने इस साल थाईलैंड में आयोजित एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत और एकल में कांस्य पदक जीता था। उनके इन प्रदर्शन के बाद उन्हें टॉप्स की विकास श्रेणी में शामिल किया गया। इससे पहले 2023 में उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 एकल में राष्ट्रीय रैंकिंग के खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। टॉप्स ने इस साल टेबल टेनिस में 14 से 17 वर्ष की उम्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष समूह तैयार किया था। सिंड्रेला भी इस समूह का हिस्सा थीं। इस पहल का उद्देश्य 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक के लिए भारत की युवा प्रतिभाओं को तैयार करना है। एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टेबल टेनिस टीम में सिंड्रेला दास, श्रीजा अकुला, दिया चिताले, यशस्विनी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी, साथियान, मनुश शाह, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और पायस जैन शामिल हैं।

विश्व कप स्वर्ण के बाद एशियाई खेलों में पदक पर सुचि की नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

हरियाणा के झज्जर जिले के छोटे-से गांव सासरौली की 20 वर्षीय पिस्टल निशानेबाज सुचि इंदर सिंह फोगाट की कहानी संघर्ष, आत्मविश्वास और लगातार सुधार की मिसाल है। 13 साल की उम्र में भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग अकादमी में पिस्टल थामने वाली सुचि आज जूनियर विश्व रिकॉर्डधारी और कई बार की आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता हैं। अब उनकी नजरें आइची-नागोया एशियाई खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा पर हैं।

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए सुचि ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ''जब मैंने निशानेबाजी शुरू की थी, तब कोई मुझे नहीं जानता था। मैं सिर्फ 13 साल की सामान्य लड़की थी, जिसके पास भारतीय टीम की जर्सी भी नहीं थी। आज उस जर्सी को पहनना मेरे लिए गर्व की बात है। यह बताती है कि मैंने कितनी लंबी यात्रा तय की है।'' सुचि के लिए निशानेबाजी किसी तय योजना का हिस्सा नहीं थी। उन्होंने संयोग से इस खेल को अपनाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनका मानना है कि निशानेबाजी ने उन्हें अपनी पहचान खुद बनाने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, ''लोग निशानेबाजी को देखकर सोचते हैं कि इसमें मुश्किल क्या है, बस खड़े होकर निशाना लगाना है। लेकिन वे यह नहीं देखते कि खिलाड़ी के अंदर क्या चल रहा होता है।

बिजनेस

मॉपशॉप डिस्ट्रिब्यूशन ने निवेशकों को किया निराश, डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद कोई हलचल नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

फैसिलिटी मैनेजमेंट सप्लाई (एफएमएस) सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मॉपशॉप डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने कमजोरी के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 138 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.72 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 137 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद से ही इस शेयर में कोई हलचल नहीं हुई है। मतलब न तो इस शेयर को लिवाल मिल रहा है और न ही इसकी बिकवाली हो रही है, जिसकी वजह से दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद भी कंपनी के शेयर 137 रुपये के स्तर पर ही बने हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर एक रुपये यानी 0.72 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। कंपनी का 27.26 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 अगस्त के

बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.59 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.27 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 19.75 लाख शेयर जारी हुए हैं। इनमें लगभग पांच करोड़ रुपये के 3.75 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं, जबकि लगभग 22 करोड़ रुपये के 16 लाख नए शेयर बिके हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कमर्शियल गाड़ियों की खरीदारी करने, रूफ टॉप ग्रिड सोलर पावर प्लांट का सेटअप करने, पुराने कर्ज को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मॉपशॉप डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 81 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 3.48 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 30.02 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 37.86 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 3.92 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 6.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ कम होकर 5.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 1.25 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और बॉन्ड यील्ड में कमी होने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार पॉजिटिव सेंटीमेंट बना रहा, जिससे वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत उछल कर 7,677.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 171.11 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,151.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.05 प्रतिशत मजबूत होकर 53,601.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

धनवेल हाइब्रिड सीड्स ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए उन्नत गुणवत्ता वाले बीज तैयार करने वाली कंपनी धनवेल हाइब्रिड सीड्स लिमिटेड के शेयरों ने आज अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। कंपनी के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट ने फ्लैट लेवल पर एंट्री हुई। निवेशकों को तब और झटका लगा, जब बिकवाली के दबाव में ये शेयर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 99 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 99 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के निवेशकों को और झटका तब लगा, जब ये शेयर बिकवाली के दबाव में लुढ़क कर 94.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 4.95 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। कंपनी का 26.73 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन फुली सब्सक्राइब यानी 100 प्रतिशत हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.24 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 27 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। धनवेल हाइब्रिड सीड्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.91 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 6.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 35.49 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 44.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 74.59 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 1.94 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 7.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज

1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में दबाव, ऊपरी स्तर से फिसले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार चढ़ाव के बीच दबाव बनता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली का हल्का झटका भी लगा, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। हालांकि सुबह दस बजे के बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे दोनों सूचकांक की चाल कमजोर पड़ने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.01 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,892.10 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले पांच मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से लगभग 90 अंक फिसल कर 77,805.62 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही यह सूचकांक 77,986.84 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि यह तेज ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। इस स्तर पर मुनाफा वसूली होने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 197.87 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,853.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

स्टॉक मार्केट में गजा एसेट मैनेजमेंट की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

कैटेगरी वन और कैटेगरी टू के इंडिया फोकस फंड्स के लिए इनवेस्टमेंट मैनेजर के रूप में और भारत में कंपनियों को कैपिटल देने वाले ऑफशोर फंड्स के लिए एडवाइजर के तौर पर काम करने वाली कंपनी गजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 160 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 15.75 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 185.20 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 15.63 प्रतिशत प्रीमियम

के साथ 185 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 191.65 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये 170.55 रुपये के स्तर तक गिर भी गया। दोपहर 11:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 176.08 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में मुनाफा वसूली होने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 16.08 रुपये यानी 10.05 प्रतिशत के फायदे में थे। इस कंपनी का 1,553 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 32.98 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 45.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 65.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

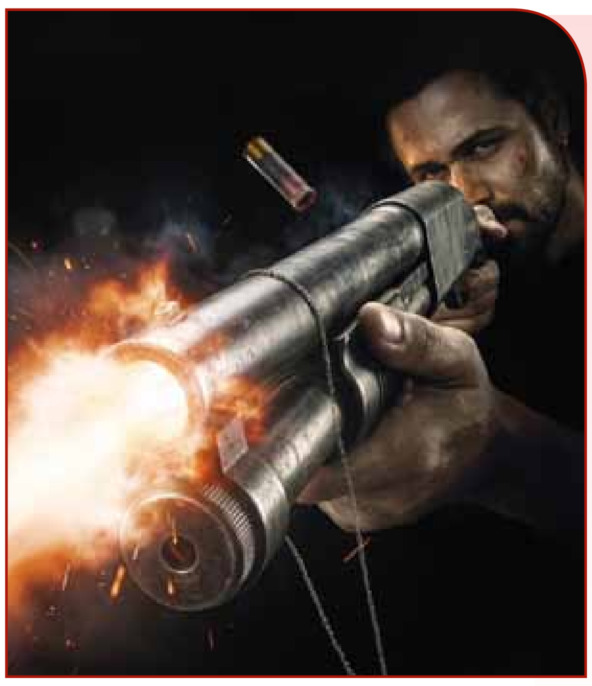

बॉक्स आफिस पर रवि तेजा की इरुमुडी मचा रहा तहलका

र रवि तेजा की नई रिलीज इरुमुडी इंडियन बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है. इस फिल्म ने रिलीज के महज चार दिन में ही इस फिल्म ने अपनी जबरदस्त परफॉर्मे से हर किसी को हैरान कर दिया है. बता दें कि अपने ओपनिंग वीकेंड पर ही इसने 50 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर डाली थी. इसके बाद लग रहा था कि मंडे को इसकी कमाई में मंदी आएगी. लेकिन इसने न सिर्फ अपना फर्स्ट मंडे टेस्ट पास किया है, बल्कि इसने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. चलिए यहां इसके चौथे दिन का कलेक्शन जानते हैं.

बता दे कि रवि तेजा की फैमिली एक्शन ड्रामा में दर्शक खूब दिलचस्पी दिखा रहे हैं. इसी के साथ ये फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है. पहले दिन जहां इसने 15.30 करोड़ से खाता खोला था तो वहीं दूसरे दिन इसका कलेक्शन 16.20 करोड़ रुपये रहा. वहीं तीसरे दिन फिल्म ने 19 करोड़ की कमाई की. अब सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबित चौथे दिन इरुमुडी ने 2733 शो से 12.35 करोड़ की नेट कमाई की है, इसी के साथ इसका भारत में कुल नेट कलेक्शन 62.85 करोड़ और कुल ग्रॉस कलेक्शन 73.00 करोड़ रुपये हो गया है. विदेशों में, फिल्म ने चौथे दिन 1.50 करोड़ कमाए, जिससे ओवरसीज में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 15.00 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं दुनिया भर में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 88.00 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. इरुमुडी की पहले मंडे की कमाई12.35 करोड़ रुपये रही है. इसी के साथ ये साल 2026 में टॉलीवुड के लिए फर्स्ट मंडे सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दूसरी फिल्म बन गई है. इसने पेद्दी (12.35 करोड़ रुपये) के साथ दूसरे नंबर पर बराबरी की है. वहीं पहले नंबर पर अभी भी माना शंकरा वारा प्रसाद गारू (32.25 करोड़ रुपये) काबिज है. इरुमुडी को 35 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है. वहीं इस फिल्म ने रिलीज के चार दिनों में ही 62.85 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई कर डाली है. इस तरह, सिर्फ 4 दिनों में इसने 27.85 करोड़ रुपये या 79.57त्न का रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट हासिल किया है . इसी के साथ ये प्लस का दर्जा हासिल कर चुकी है. वहीं हिट होने के लिए इसे अपनी लागत से दुगनी कमाई करनी पड़ेगी. जो 70 करोड़ रुपये है. यानी, हिट बनने के लिए फिल्म को बस 7.15 करोड़ रुपये और कमाने हैं, जो आज यानी पांचवें दिन पूरे होने की उम्मीद है.

गनमास्टर जी9 का धांसू टीजर रिलीज, लवर बॉय बनकर फिर लौटे इमरान हाशमी, महादेव से की विनती, कहा-जब तक मैं अपने इश्क

आ आवारापन 2 की जबरदस्त सफलता के बाद आप इमरान हाशमी की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे होंगे. आज मेकर्स ने आपके इस इंतजार को और खास बना दिया है, क्योंकि उन्होंने गनमास्टर जी9 का पहला टीजर रिलीज कर दिया है. हिमेश रेशमिया के म्यूजिक और आदित्य दत्त के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की झलक आपको जरूर एक्साइटेड कर देगी. इमरान के साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना हैं, और नए एक्टर अभिषेक सिंह एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं. गनमास्टर जी9 के मेकर्स ने फिल्म का धांसू टीजर सोशल मीडिया पर साझा किया और कैप्शन में लिखा है,

जी9 की दुनिया शुरू होती है. रोमांस, म्यूजिक, एक्शन. गनमास्टर जी9 इन सबको एक कहानी में एक साथ लाता है जो आपको एक राइड पर ले जाने के लिए तैयार है. सिनेमाघरों में 27 नवंबर 2026 को. टीजर में इमरान हाशमी को रीलोडेड दिखाया गया है, जब वह अपने प्यार के लिए लड़ रहे हैं. अपने दमदार वॉयसओवर में वह भगवान शिव से प्रार्थना करते हैं कि उनके प्यार तक पहुंचने से पहले कोई उनकी जान न ले. इमरान एक लवर बॉय के रूप में वापस आ गए हैं. हिमेश रेशमिया की म्यूजिक ने उनके लवर बॉय के रूप में जान डालने का काम किया है.

1 मिनट 22 सेकंड के टीजर में जबरदस्त एक्शन और रोमांस से भरी फिल्म की दुनिया की एक झलक मिलती है. टीजर की शुरुआत एक पहाड़ो से घिरे एक मैदान से होती है, जहां कई लोग इमरान पर हमला करते हुए दिखते हैं और उन्हें एक वैन में डाल देते हैं. इसके बाद बैक ग्राउंड में इमरान हाशमी का वॉयजओवर सुनने को मिलता है, जिसमें वह कहते हैं, मुझे चाहे दुनिया की सबसे बुरी मौत देना, मेरे जिस्म के टुकड़े-टुकड़े कर दे, चाहे गिद्ध और कौओं को खिलवा देना, पर महादेव से इतनी ही विनती है कि जब तक मैं अपने इश्क की दहलीज पर ना पहुंच जाऊं. मेरी सांसे मत लेना इसमें ऐसे सीन हैं जहां उनका किरदार गुंडों को पीटता हुआ और अपने लेडी लव के साथ समय बिताता हुआ दिखता है, जिसका चेहरा टीजर में नहीं दिखाया गया है. हिमेश रेशमिया के म्यूजिक़ के साथ, फिल्म इमरान के पुराने दिनों वाले चार्म को वापस लाने का वादा करती है. बैकग्राउंड में हिमेश का गाना अफसानम सुन सकते हैं, जो आपको 2000 के दशक की शुरुआत में ले जाता है. गनमास्टर जी9 को दीपक मुकुट, हुनर मुकुट और संगीता अहीर ने प्रोड्यूस किया है, और सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने इसे प्रेजेंट किया है. यह 27 नवंबर को थिएटर में रिलीज होगी.

बिग बॉस 20 में एंट्री नहीं लेंगी शिवांगी जोशी, वायरल वीडियो को बताया फेक

इं इंडिया के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 20 को लेकर इन दिनों काफी चर्चा है. शो जल्द ही दर्शकों को एंटरटेन करने आ रहा है और शो को लेकर कई कंटेस्टेंट्स के नाम भी सामने आ रहे हैं. इनमें टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी का नाम भी चर्चा में था. हालांकि, शिवांगी ने इन खबरों को खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि वो शो का हिस्सा नहीं हैं और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो फेक है. शिवांगी जोशी ने बिग बॉग 20 में एंट्री की खबरों पर रिएक्ट किया है और इसे पूरी तरह से गलत बताया है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा, मुझे पता चला है कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें गलत तरीके से दावा किया जा रहा है कि मैं बिग बॉस में हिस्सा ले रहा हूं. मैं क्लियर करना चाहती हूं कि मैं बिग बॉस 20 में पार्टीसिपेट नहींकर रही हूं और वो वीडियो पूरी तरह से फेक है. हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें दावा किया गया था कि शिवांगी जोशी बिग बॉस 20 की कंफर्म कंटेस्टेंट हैं. हालांकि अब एक्ट्रेस ने रूमर्स को खारिज कर दिया है. बता दें, सलमान खान का शो बिग बॉस 20 6 सितंबर से कलर्स टीवी और जियो हॉटस्टार पर आएगा. शो को लेकर काफी बज बना हुआ है. शिवांगी जोशी हाल ही में रियलिटी शो लॉक अप 2 में नजर आई थीं, जहां उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. शो के दौरान उनका नाम हर्ष चोपड़ा के साथ भी जोड़ा गया था, हालांकि दोनों ने साफ किया था कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं. शिवांगी शो की रनर-अप रही थीं, जबकि श्रेया कालरा ने ट्रॉफी अपने नाम की थी. वहीं, फराह खान और रितेश देशमुख ने शो को होस्ट किया था.

जबरदस्त शारीरिक बदलाव को लेकर चर्चा में आमिर

बॉ बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अपनी आगामी फिल्म 'ललकारा' के लिए एक नया और चुनौतीपूर्ण लुक अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए वह अपने वजन और फिटनेस पर विशेष रूप से काम कर रहे हैं। आजकल आमिर खान एक बार फिर अपने जबरदस्त शारीरिक बदलाव को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि अभिनेता को पर्दे पर एक 25 साल के युवक का किरदार निभाना है। आमिर की उम्र 61 वर्ष है, ऐसे में यह बदलाव उनके लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि 'ललकारा' के लिए आमिर खान निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ एक बार फिर काम करने जा रहे हैं। दोनों की जोड़ी इससे पहले 'लगान' जैसी यादगार और सफल फिल्म दे चुकी है। 'लगान' में आमिर ने भुवन के किरदार को जीवंत किया था और अब नए प्रोजेक्ट में उनका किरदार और रूप दोनों बिल्कुल अलग होने की संभावना जताई जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, आमिर खान ने अपने शारीरिक बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए वह नियमित व्यायाम और नियंत्रित खानपान पर ध्यान दे रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर युवा किरदार के अनुरूप फिटनेस और शारीरिक बनावट हासिल करना आसान नहीं होगा, लेकिन

आमिर पहले भी अपनी फिल्मों के लिए असाधारण बदलाव कर चुके हैं। 'गजनी' के लिए उनकी मस्कुलर बॉडी, '3 इडियट्स' में युवा छात्र का रूप और 'दंगल' में पहलवान की मजबूत काया से लेकर अधिक उम्र और वजन वाले किरदार तक, आमिर अपने पात्रों के अनुसार शरीर को ढालने के लिए जाने जाते हैं। यही वजह है कि उनके प्रशंसक इस बार भी उनके नए रूप को लेकर उत्सुक हैं। बताया जा रहा है कि 'ललकारा' की कहानी क्रिकेट, आपसी संघर्ष और देशभक्ति जैसे तत्वों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म की कहानी पीयूष गुप्ता और नीरज सिंह ने लिखी है। इसके साथ ही विभाजन के बाद लोगों के जीवन और भावनात्मक परिस्थितियों से जुड़े पहलुओं को भी फिल्म में शामिल किए जाने की चर्चा है। आमिर खान इससे पहले फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे।

'वन : फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' का मोशन पोस्टर आउट : रहस्यमयी लोककथा और हॉरर-थ्रिलर अवतार में दिखेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

हिं हिंदी सिनेमा में नए-नए प्रयोगों और अनोखे जॉनर का दौर लगातार समृद्ध हो रहा है। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी आगामी भव्य फिल्म 'वन – फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' (VVAN: Force of the Forest) को लेकर चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं। 'परम सुंदरी' (2025) में अपनी हल्की-फुल्की रोमांटिक भूमिका के बाद सिद्धार्थ अब एक बड़े कैनवास पर हॉरर, थ्रिलर और पौराणिक फंतासी का तड़का लगाने जा रहे हैं।

बालाजी मोशन पिक्चर्स और टीवीएफ (TVF) के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन मशहूर निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा कर रहे हैं, जिन्होंने 'पंचायत' जैसी लोकप्रिय सीरीज से अपनी निर्देशन क्षमता को साबित किया है। निर्माताओं द्वारा फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते ही इसने सोशल मीडिया और सिनेमा प्रेमियों के बीच उत्सुकता की लहर पैदा कर दी है। इसके साथ ही फिल्म के आगामी टीजर की रिलीज डेट को लेकर भी संकेत मिले हैं, जिससे दर्शकों का इंतजार अब और रोमांचक हो गया है। फिल्म के रिलीज हुए मोशन पोस्टर में एक बेहद भयावह और रहस्यमयी माहौल पेश किया गया है। पोस्टर की पृष्ठभूमि घने और अंधेरे जंगल से ढकी हुई है,

जहाँ वातावरण में एक तरह का असुरी और अलौकिक प्रभाव स्पष्ट नजर आता है।

जंगल के बीचों-बीच एक विशाल और भयानक असुरी शक्ति या पराप्राकृतिक सत्ता की झलक मिलती है, जो लोककथाओं के किसी पौराणिक रहस्य का अहसास कराती है। पोस्टर के केंद्र में सिद्धार्थ मल्होत्रा खड़े हैं, जिनके एक हाथ में जलती हुई मशाल है। वे निडर होकर उस वर्जित और खतरनाक स्थान (Forbidden Realm) में प्रवेश करते दिख रहे हैं। हालांकि, मेकर्स ने सिद्धार्थ के चेहरे को उजागर न करते हुए केवल उनकी पीठ दिखाई है। इस रणनीति ने दर्शक वर्ग में सिद्धार्थ के किरदार के लुक, उनकी शारीरिक बनावट और उनकी भूमिका को लेकर गहरा रहस्य कायम कर दिया है। 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' सिर्फ अपनी कहानी और जॉनर के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी बहुमुखी स्टारकास्ट के लिए भी सुर्खियां बटोर रही है। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मुख्य भूमिका में दक्षिण और हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया नज़र आएंगी। पहली बार सिद्धार्थ और तमन्ना की फ्रेश जोड़ी स्क्रीन शेयर करने जा रही है, जिसे लेकर फैंस खासे उत्साहित हैं। इसके अलावा, फिल्म में अभिनय और कॉमेडी की दुनिया के कई बड़े नाम शामिल किए गए हैं। बहुप्रतिभाशाली अभिनेता व कॉमेडियन सुनील ग्रोवर, अपनी बेहतरीन टाइमिंग के लिए मशहूर मनीष पॉल और टेलीविजन व सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्वेता तिवारी इस प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। इस बहुआयामी स्टारकास्ट के कारण माना जा रहा है कि फिल्म में ड्रामा, हॉरर और थ्रिलर के साथ-साथ एक अनूठा मानवीय संतुलन भी देखने को मिलेगा।

भारतीय लोककथाओं और पौराणिक मान्यताओं पर आधारित

फिल्म 'वन' की सबसे बड़ी खासियत इसका कथानक है, जो पूरी तरह से भारतीय लोककथाओं (Indian Folklore) और प्राचीन अंधविश्वासों पर आधारित है। बॉलीवुड में पौराणिक फंतासी और हॉरर के संयोजन पर कम ही फिल्में बनी हैं। निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा और लेखक अरुणभ कुमार ने भारतीय संस्कृति की उन अनदेखी कथाओं को पर्दे पर उतारने का प्रयास किया है, जो सदियों से जंगलों, मान्यताओं और परंपराओं से जुड़ी हुई हैं। फिल्म की टैगलाइन और विजुअल्स से यह साफ होता है कि यह प्रकृति की रक्षा करने वाली दिव्य या असुरी शक्तियों और इंसानी लालच के बीच के संघर्ष को दर्शाएगी। मेकर्स ने स्पष्ट किया है कि यह बड़े बजट की पौराणिक-थ्रिलर फिल्म 25 सितंबर को देश-विदेश के सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर दस्तक देगी। मोशन पोस्टर के आने के बाद अब सभी की निगाहें फिल्म के आधिकारिक टीजर पर टिकी हैं, जिसे जल्द ही भव्य स्तर पर लॉन्च किया जाएगा। सिनेमा विश्लेषकों का मानना है कि यदि 'वन' अपनी कहानी और विजुअल इफेक्ट्स (VFX) में खरी उतरती है, तो यह भारतीय सिनेमा में फंतासी-हॉरर जॉनर को एक नई दिशा दे सकती है। दर्शक भी सिद्धार्थ मल्होत्रा को इस नए, साहसिक और चुनौतीपूर्ण अवतार में देखने के लिए बेताब हैं।

जीवनशैली में ये 5 छोटे-छोटे बदलाव करके आप हर महीने बचा सकते हैं पैसे

ह हर महीने की कमाई से कुछ पैसे बचाना हर किसी की ख्वाहिश होती है। इसके लिए लोग कई तरह के तरीके भी अपनाते हैं, लेकिन कई बार ये तरीके काम नहीं आते हैं। ऐसे में अगर हम आपको कुछ छोटे-छोटे बदलाव करने के लिए कहें, जिससे हर महीने आपकी बचत बढ़ सकती है तो क्या आप ऐसा करने के लिए तैयार हैं? आइए जानते हैं कि जीवनशैली में कौन-कौन से छोटे-छोटे बदलाव करके आप पैसे बचा सकते हैं। पानी का उपयोग करते समय उसे बचाने की कोशिश करें। जैसे नहाते समय बाल्टी का इस्तेमाल करें और गिलास में पानी भरकर उसका इस्तेमाल करें। इससे आप पानी की बचत कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप बगीचे में पानी डालने के लिए पाइप का इस्तेमाल करते हैं तो उसे खुला न रखें। पाइप के आगे स्विच लगवाएं, ताकि जब आपको पानी डालना न हो तब पाइप का पानी न बहे। इससे पानी की बचत होगी। अगर आपको ऑफिस जाने के लिए रोजाना मेट्रो या बस से सफर करना

पड़ता है तो अपनी यात्रा को सस्ती बनाने के लिए मेट्रो या बस का पास बनवा लें। अगर आपकी ऑफिस मेट्रो से 30 किलोमीटर दूर है तो महीने का मेट्रो पास बनवाने से आपकी यात्रा का किराया कम आएगा। इसके अलावा अगर आप मेट्रो या बस से ज्यादा दूर नहीं जाते हैं तो रोजाना टिकट खरीदने के बजाय मेट्रो या बस का पास बनवाएं। घर से बाहर खाने के बजाय घर का बना खाना खाएंः अगर आप घर से बाहर रहकर खाना खाते हैं तो हर दिन आपको काफी पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इसलिए, घर से बाहर खाना खाने के बजाय घर का बना खाना खाएं। इससे आपके स्वास्थ्य को भी लाभ होगा और आप हर महीने कुछ पैसे भी बचा सकेंगे। इसके अलावा घर का बना खाना स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। इसी के साथ घर का बना खाना खाने से पैसे की भी बचत होती है। बिजली की बचत करने के लिए इन तरीकों को अपनाएंः घर में बिजली की बचत करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें। जैसे जब भी आप कमरे से बाहर जाएं तो लाइट और पंखे बंद कर दें। इसके अलावा दिन के समय खिड़कियों की मदद से कमरे को रोशन रखें और रात के समय कम बिजली खर्च करने वाले बल्ब का इस्तेमाल करें। साथ ही घर में ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल करें, जो कम बिजली का उपयोग करते हों। बिजली की बचत करने से बिल कम आएगा।

ऑनलाइन खरीदारी करते समय सोचेंः अगर आप ऑनलाइन खरीदारी करना पसंद करते हैं तो अपने बजट से बाहर न जाएं और सिर्फ उन्हीं चीजों को खरीदें, जो आपकी जरूरत की हों। इसके अलावा ऑनलाइन खरीदारी करते समय छूट और ऑफर्स पर ज्यादा ध्यान दें। साथ ही किसी भी चीज को खरीदने से पहले उसकी कीमत को अन्य वेबसाइट पर जांच लें। ऐसा करने से आपको सही कीमत पर सही चीज मिलेगी और आप ज्यादा पैसे भी खर्च होने से बचा सकेंगे।

ऑडिशन से लेकर आंसू तकः विधात्री बंदी का मैक्स, मिन और मियोज्स्की का सफर

शि भिनेत्री विधात्री बंदी अपनी आगामी फीचर फिल्म मैक्स, मिन और मियोज्स्की में कैरोल सेक्वेरा नामक एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत में बताया कि उन्हें यह दिलचस्प किरदार किस तरह से मिला। उन्होंने खुलासा किया कि असल में वे किसी और किरदार के लिए ऑडिशन देने के लिए गई थीं, लेकिन उसी दौरान उन्हें कैरोल सेक्वेरा के किरदार के बारे में पढ़ने का मौका मिला, जिसने उन्हें तुरंत अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विधात्री ने बताया, असल में, मैं मिन के किरदार के लिए ऑडिशन देने गई थी, लेकिन जब मुझे फिल्म का सारांश दिया गया, तो मैंने उसमें कैरोल सेक्वेरा के बारे में पढ़ा था। उसका किरदार इस तरह से लिखा हुआ था कि उसे पढ़कर मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ, जिसके बाद मैंने सोचा कि अगर इस किरदार के लिए मुझे ऑडिशन देने का मौका मिले, तो मैं जरूर दूंगी। अभिनेत्री ने अपनी आंतरिक

इच्छा को गोपनीय रखा और किसी को इसके बारे में नहीं बताया। लेकिन दो दिन बाद उन्हें कास्टिंग टीम से फोन आया कि निर्देशक चाहते हैं कि वे कैरोल के लिए ऑडिशन दें। विधात्री ने तुरंत ऑडिशन दिया और उनका चयन भी तुरंत हो गया। चयन होने के बाद निर्देशक पैडी ने उन्हें पूरी कहानी सुनाई। उस दिन के बारे में बताते हुए विधात्री भावुक हो गईं और कहा, उस दिन शायद पहली बार ऐसा हुआ कि मैं अजनबियों के सामने रो पड़ी थी, क्योंकि फिल्म की कहानी ने मेरे दिल को छू लिया था। उसी वक्त मुझे पक्का हो गया था कि मुझे ये फिल्म हर हाल में करनी ही है। यह फिल्म से उनके गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है। विधात्री बंदी ने अपने पिछले किरदारों के लुक की तुलना इस किरदार से करते हुए बताया कि कैरोल सेक्वेरा का किरदार उनके पिछले किरदारों से काफी ज्यादा ग्लैमरस है। उन्होंने कहा, फिल्म जलसा में मैंने एक मलयाली पत्रकार का रोल किया था। उसमें मेरा लहजा बहुत भारी था, मैंने कोई मेकअप नहीं किया था और बाल भी काफी ज्यादा थे। द डिप्लोमैट में मैंने एक पंजाबी एंबेसी ऑफिसर का किरदार निभाया था, जिसमें मैं फॉर्मल कपड़े पहनती थी, लेकिन इस फिल्म में मैं बिल्कुल मुंबई की लड़की जैसी लग रही हूं। मेरे घुंघराले बाल हैं और मेरा लहजा भी नॉर्मल है। अभिनेत्री ने आगे अपनी अब तक की जर्नी के बारे में बताते हुए कहा कि उनके करियर की रफ्तार काफी धीमी रही है, लेकिन वह इससे संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, शिद्दत में मैंने एक छोटा रोल किया था।

BRIFF NEWS

After Gen-Z stir, Delhi BJP eyes youth outreach

New Delhi: Delhi BJP has decided to intensify its outreach among young voters after internal feedback suggested that the party needs to engage more actively with issues concerning the youth, particularly in the wake of the recent Gen Z-led protest at Jantar Mantar.According to party sources, the outreach will involve three levels - the state unit of the party, Delhi BJP MLAs and ministers and student organisations, with Bharatiya Janata Yuva Morcha (BJYM) and Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) expected to play a key role in colleges and universities in the city.The move comes amid the party's assessment that while it enjoys strong organisational support, it needs more direct engagement with first-time voters and university students on contemporary issues.The sources said BJYM has been asked to draw up a calendar of programmes across university campuses, while Delhi ministers have been encouraged to increase interactions with students and youth groups.The first phase of the outreach began on Sunday when BJP workers listened to PM Modi's Mann Ki Baat at around 6,450 locations across Delhi. Apart from tuning in for the broadcast, the party's state unit president Harsh Malhotra hosted 'Yuva Samvad (Gen-Z with Modi)', an interaction with around 50 students from various colleges and universities.Discussions centred on higher education, expansion of universities, curriculum changes and opportunities available to youngsters. Students shared their views on the recent protest. According to the party, the participants said student movements should promote positive dialogue and national unity.Addressing the gathering, Malhotra said the youth were playing an important role in building a "New India" under Modi. He highlighted the expansion of medical education since 2014, saying it created greater opportunities for the students.Student movements should not be viewed solely through the prism of electoral politics, Malhotra said. Referring to the recent demonstrations, he said many young people also expressed support for the Centre and alleged that opposition parties tried to politicise the agitation.

He noted that the BJP

Four drown in Yamuna

New Delhi: Four people allegedly drowned while bathing in the Yamuna near Yamuna Khadar in east Delhi's Geeta Colony Monday evening, prompting a joint search and rescue operation. One body has been recovered.Around 7.20pm, they entered the river to take a bath when they got swept away, said locals. A joint rescue operation was launched by Delhi Police, Delhi Fire Service, National Disaster Response Force (NDRF) and a local boat club immediately after the incident.Police said the search operation was continuing late into the night with multiple teams deployed at the spot.The identities of the victims are yet to be ascertained, and the man whose body was recovered appeared to be 35-40 years old, officials said.The incident is the latest in a series of drowning cases reported in the city this year. Earlier this month, four Class X students drowned while bathing in the Yamuna near Hiranki village in outer north Delhi.

Motihari ACJM court peshkar accused of withholding records, demanding money; district judge orders inquiry

Sagar Suraj

MOTIHARI: A peshkar (court clerk) posted in an sixth Additional Chief Judicial Magistrate (ACJM) court in Motihari has been accused of allegedly withholding case records and demanding money from litigants, prompting East Champaran district and sessions judge Abhishek Kumar Das to order an inquiry into the allegations.

In a written complaint submitted to the district judge, a litigant alleged that court staffer Ajay Kumar deliberately kept case records unavailable and repeatedly demanded money from litigants for routine court-related work.

The complainant further alleged that when questioned about the demand for money and the possibility of a complaint, Ajay Kumar allegedly responded arrogantly that the money would be paid and that he was not afraid of complaints being made against him to any authority.

The complaint referred to Title Suit No. 343/23, alleging that its records had remained unavailable on several dates earlier dates. It also claimed that the record of Title Suit No. 214/25 has now gone missing.

Madhusudan Singh, the plaintiff in Partition Suit No. 214/25, alleged that the peshkar demanded money on several occasions and that dates were not provided to him and other litigants without payment.

A close relative who has been looking after the case on Singh's behalf submitted a written application to district judge Abhishek Kumar Das detailing the allegations.

Following the complaint, the district judge ordered an inquiry and directed that the grievances of the litigant be addressed.

A court administration official in Motihari confirmed receipt of the complaint and said the concerned peshkar had been called to explain his position on the allegations.

The allegations against Ajay Kumar are yet to be established through an inquiry. His response to the specific allegations was not immediately available.

The complaint has also raised wider concerns over alleged corrupt practices involving some staff posted in different ACJM courts in Motihari.

The complainant said he would approach the Chief Justice of the Patna High Court and other competent authorities if the matter was not satisfactorily addressed.

The inquiry is expected to establish whether the case records were withheld or went missing and whether money was demanded from litigants in connection with routine judicial work.

ICMR: No new H1N1 strain in India, surge is seasonal flu

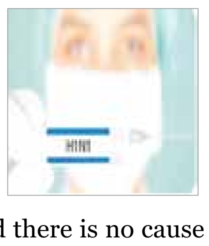

New Delhi, Agency: Setting to rest concerns behind the recent rise in H1N1 cases, senior scientists at the Indian Council of Medical Research (ICMR) said no new strain of the virus has been detected in the country and there is no cause for panic. The viruses currently circulating are seasonal strains that have been in circulation since 2025 and are well matched with vaccine strains recommended for northern hemisphere.

The Influenza A (H1N1)pdm09 viruses currently circulating in India belong to the A/Missouri/11/2025 (H1N1)pdm09-like virus strain and fall under clade 6B.1A.5a2a, subclade D.3.1.1, ICMR scientists said. The situation continues to be monitored through regular surveillance. The reassurance comes amid a rise in seasonal influenza cases in Delhi.

Delhi recorded 1,777 H1N1 cases till Aug 20, out of 2,392 Influenza A cases, making H1N1 the predominant influenza A sub-type reported this year. "We are seeing an increase in H1N1 cases.

After CJP protest winds down, volunteers step in to help stranded students in Delhi to return home

NEW DELHI: Nearly two days after protesters vacated Jantar Mantar, the designated site of the students' movement from June 20 to July 25, Delhi Police personnel Monday were seen scraping newspaper sheets pasted across the glass walls of Jantar Mantar Metro station, trying to erase the traces of the month-long agitation.But while the protest site emptied out, another effort quietly continued nearby. Inside a café in Connaught Place, a team of volunteers spent hours booking train tickets for students who had travelled to Delhi to support the movement and were now stranded in Delhi. Many had come without informing their parents, fearing they would be stopped. With the movement winding down after the resignation, getting home had become their biggest concern. "It began when supplies at the protest site started running short. People reached out asking how they could contribute medicines, dry food and other essentials," said a volunteer, requesting anonymity.

NGT Adds Delhi Govt, DPCC to Uranium Case

New Delhi: National Green Tribunal (NGT) has brought Delhi govt and Delhi Pollution Control Committee (DPCC) into the ongoing proceedings on uranium contamination in groundwater, given the elevated levels of the element in samples collected in the capital. Hearing a suo motu case that originated from reports of uranium detection in breast milk in parts of Bihar, a bench led by Justice Prakash Shrivastava directed that Delhi govt, through its principal secretary (environment), and DPCC, through its member secretary, be impleaded as respondents. The tribunal also ordered that notices be issued to both the authorities. The tribunal relied on the Central Ground Water Board's Annual Ground Water Quality Report, 2025, cited in media reports, which said that 24 of 83 groundwater samples collected in Delhi had uranium concentrations exceeding safety limits of CPCB.

The report identified Delhi as a uranium contamination hotspot in north-west India, attributing the contamination largely to geogenic factors, groundwater depletion and aquifer characteristics. NGT directed that the report be placed on record as part of the proceedings. The matter is scheduled to be heard on Sept 22. CGWB in its report last year ranked Delhi the third highest in the country after Punjab and Haryana, in the proportion of samples breaching the permissible limit.The Annual Ground Water Quality Report, 2025, found 13-15% of analysed samples in Delhi containing uranium way above the safety threshold of 30 parts per billion (ppb). This marked a worrying rise from 2020, when a detailed assessment revealed uranium presence exceeding in 11.7% more samples. That study also recorded one of Delhi's highest ever uranium readings - 89.4 ppm from a North West district tubewell - nearly three times the safe limit.

Internet subscriptions jump 217 in 10 years

New Delhi: Delhi's internet connectivity has expanded sharply over the past decade, with total subscriptions rising from 1.8 crore in 2015 to 5.7 crore in 2025 - an increase of around 217% in 10 years.

The figures, published in Delhi govt's latest state indicator framework status report 2025 and sourced from Telecom Statistics India, represent internet subscriptions rather than unique users. They include all internet subscriptions, including mobile wireless, fixed wireless and wired connections. An individual who uses multiple internet connections like a broadband connection in addition to mobile internet accounts for multiple subscriptions.

Delhi has a current population of around 2.3 crore, according to the provisional house-listing data released this June. So, at 5.7 crore, its internet subscriptions are about 2.5 times its population.

The data shows internet subscriptions in the capital climbed from 2 crore in 2016 to 2.7 crore in 2017, 3.1 crore in 2018 and 3.6 crore in 2019. The 4-crore mark was crossed in 2020, when subscriptions touched 4.1 crore, before increasing to 4.5 crore in 2021, 4.6 crore the next year, 5.3 crore in 2023, 5.6 crore in 2024 and 5.7 crore in 2025. The biggest annual increase was in 2022-23, when subscriptions rose by 60 lakh - from 4.6 crore to 5.3 crore. Next comes a 51-lakh increase in 2019-20. Growth moderated in the following years, with the subscriber base expanding by 40 lakh in 2020-21, 17 lakh in 2021-22, 38 lakh in 2023-24 and just 11 lakh in 2024-25 - the smallest annual increase during the decade.

The surge in subscriptions coincided with the years following demonetisation in 2016 and Covid-19 pandemic in 2020, when digital payments, online education, remote working, e-governance and app-based services became increasingly mainstream. The availability of affordable smartphones, low-cost mobile data and the rollout of high-speed 4G and 5G networks also contributed to the sustained expansion of internet connections in the city.

Delhi Lieutenant Governor Taranjit Singh Sandhu directs Delhi MC officials to prepare air pollution plan for winter

Delhi Lieutenant Governor Taranjit Singh Sandhu on Monday directed the Municipal Corporation of Delhi (MCD) to intensify efforts on waste segregation, legacy waste remediation, drain cleaning and vector-borne disease control, while asking officials to prepare a comprehensive winter air pollution action plan and explore adopting the Indore Municipal Corporation model in one MCD zone.Chairing a high-level review meeting with MCD Commissioner, additional commissioners and zonal deputy commissioners, the L-G reviewed key civic priorities, including solid waste management, waterlogging prevention, desilting of drains, garbage disposal, implementation of the PM-UDAY scheme and road safety. Reviewing the progress of legacy waste remediation at Delhi's landfill sites, Sandhu appreciated the corporation's efforts in clearing accumulated waste but stressed that fresh waste reaching the dumpsites must be scientifically processed simultaneously to prevent further accumulation.He directed officials to establish a robust monitoring mechanism to ensure that daily waste processing kept pace with the daily inflow.Expressing concern over the city's waste management system, the L-G noted that around 50% of municipal waste was still not segregated at source, while nearly half of the waste generated every day continued to be dumped at landfill sites. Citing the success of the Indore Municipal Corporation in waste management, he directed MCD officials to examine the feasibility of implementing the Indore model on a pilot basis in one municipal zone. The meeting also reviewed measures to prevent dengue and malaria during the ongoing monsoon season, besides assessing efforts to tackle waterlogging through desilting of drains. With winter approaching, Sandhu instructed officials to prepare a detailed action plan to curb air pollution.

court grants bail to head chef Negi in Malviya Nagar fire

New Delhi: Delhi court on Monday granted bail to Kesar Negi, the head chef arrested in connection with the devastating fire at Flourish Stay in Malviya Nagar that claimed 23 lives.The court observed that the exact cause of the blaze is yet to be scientifically established and that criminal liability cannot be attributed to him at this stage merely because he was performing his routine duties.According to the prosecution, the investigation revealed that Negi, who has been in judicial custody since June 6, was not merely a cook but the head chef responsible for the day-to-day functioning of the kitchen, including operating and supervising the electric oil fryer, LPG system, gas stoves, electric tandoors, pizza ovens and other kitchen appliances. The prosecution relied on the statement of hotel receptionist Rupesh Kumar, who said Negi had switched on various kitchen appliances, including the electric oil fryer, while preparing breakfast on the morning of June 3. Rupesh stated that around 8.35 am, he was informed about a fire and, on reaching the kitchen, found flames near the electric oil fryer. Despite efforts to douse the blaze using fire extinguishers, the fire spread rapidly. He said he evacuated guests, informed emergency services and sustained injuries during the rescue operation. The investigating agency also cited Rupesh's statement that Negi had previously been cautioned to exercise care while operating kitchen equipment. It further referred to Negi's disclosure during interrogation that he had switched on the fryer and other appliances as part of routine morning preparations before noticing fire near the fryer. According to the prosecution, the LPG hose pipe later caught fire, leading to gas leakage and rapid spread of flames.

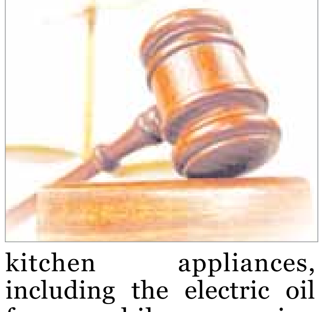

However, the prosecution acknowledged that the precise origin, cause and manner of the fire are yet to be conclusively determined, with the final report from the forensic science laboratory (FSL) still awaited. It submitted that while reports from the Delhi Fire Services and the electrical inspector had been received, the FSL report was essential to establish the exact cause of the blaze and sequence of events. The prosecution argued that the investigation remains at a crucial stage, with statements of survivors, injured persons and officials from various departments still being recorded and electronic evidence being collected. It also expressed apprehension that Negi, if released, could influence witnesses or interfere with the investigation. After hearing both sides, the court observed that although the incident was of extreme gravity and warranted a thorough investigation, the seriousness of the offence alone could not be the sole ground for denying bail. It said the court was also required to examine the specific role attributed to the accused and whether continued detention was necessary. Allowing the bail application, the court directed Negi's release on a personal bond of Rs 50,000 with one surety of the like amount. It imposed conditions requiring him to join the investigation whenever called, refrain from influencing witnesses or tampering with evidence, keep his mobile number and address updated with the investigating officer.

Declare 185 acres of land as 'forest', SC urges Delhi govt

The Supreme Court on Monday took a step towards preserving Delhi's green cover, urging the Delhi government to initiate the process for declaring an area of 185 acres in the Capital as "forest".

This area, spread over 18 land parcels across the Capital, is the site earmarked for compensatory afforestation of Ridge land illegally cleared by the Delhi Development Authority (DDA) as part of a road construction project near Chhattarpur. Monitoring the progress of the plantation exercise, a bench headed by Chief Justice of India (CJI) Surya Kant said, "The process to notify the 18 parcels of land as forest shall also be initiated." Directing another status report to be submitted after four weeks, the bench, also comprising justices Joymalya Bagchi and V Mohana, said, "We want you (forest department) to find out if the land parcels can be declared as forest. That will help you against any future exploitation of the land.The land parcels are spread over different locations in Rohini, Narela, Dwarka, Alipur, Satbari, Maidan Garhi, said a status report filed jointly by the DDA and the Delhi government's forest department in court. The DDA, represented by senior advocate Maninder Singh said that out of the targeted number of over 172,000 saplings across the 18 sites.